दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 2 | अंक: 217 | जयपुर, सोमवार, 17 जुलाई, 2023 | श्रावण, कृष्ण पक्ष- अमावस्या, विसं 2080 | पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

हरियाली अमावस्या पर हरी-भरी अरावली

आज हरियाली अमावस्या के साथ सावन के सोमवार और कर्क संक्रांति का शुभ संयोग...

जयपुर। सावन मास का दूसरा सोमवार कई अनूठे संयोग साथ लेकर आया है। इस दिन सोमवती अमावस्या और कर्क संक्रांति भी होने के कारण दान-पुण्य तथा पूजा-अर्चना करने वालों को अक्षय पुण्य की प्राप्ति होगी। इस अवसर पर रविवार संध्या को गलता तीर्थ की पहाड़ी से लिया गया हरी-भरी अरावली पर्वत शृंखला का विहंगम दृश्य। बता दें, इस बार मानसून की मेहरबानी भी मरुधरा पर भरपूर हुई है, जिससे अधिकतर बांध और तालाब भी लबालब हो गए हैं, वहीं चारों ओर हरियाली ने धरती का भव्य शृंगार भी कर दिया है। **-फोटो: पंकज शर्मा**

जरूरी खबर

आज से जयपुर व कोटा में रियायती दर पर टमाटर

जयपुर। टमाटर के बढ़े दामों को देखते हुए सोमवार से केंद्र सरकार के उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा एनसीसीएफ के माध्यम से जयपुर और कोटा में रियायती दरों पर टमाटर की बिक्री की जाएगी। जयपुर में नेहरू सहकार भवन, सचिवालय, लालकोठी, महेश नगर, रामनगर, गांधी नगर, वैशाली नगर, वीकेआई व विद्युत नगर में यह बिक्री की जाएगी। इसी तरह कोटा के विज्ञान नगर, तलवंडी केशवपुरा, डीसीएम रोड, गोवारिया बावड़ी आदि स्थानों पर रियायती दर पर टमाटर विक्रय करने की व्यवस्था की गई है।

आज विधानसभा में तीन विधेयक होंगे पारित

जयपुर। विधानसभा का सत्र सोमवार को पूरी तरह से कामकाज वाला होगा। सरकार विधानसभा में तीन महत्वपूर्ण विधेयक को पारित करवाएगी। इससे पूर्व मंत्रियों की तरफ से अपने-अपने विभागों की अधिसूचनाएं सदन की मेज पर रखी जाएंगी। विधानसभा की कार्यवाही की शुरुआत सुबह 11 बजे प्रश्नकाल से होगी। इस दौरान सत्ता व विपक्ष के सदस्यों की तरफ से जनहित के सवाल पूछे जाएंगे।

'नहीं सहेगा राजस्थान' अभियान शुरू, बोले नड्डा...

कांग्रेस मां-बेटा-बेटी की पार्टी, बाकी कॉन्ट्रैक्ट पर

■यूपीए का मतलब 'उत्पीड़न, पक्षपात और अत्याचार'

बेधड़क | जयपुर

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने रविवार को कांग्रेस सहित विपक्षी दलों पर हमला बोलते हुए कहा है कि कांग्रेस नीत 'यूपीए' गठबंधन का मतलब है, 'यू' से उत्पीड़न, 'पी' से पक्षपात और 'ए' से अत्याचार। यानी यूपीए हुआ उत्पीड़न, पक्षपात और अत्याचार करने वाला गठबंधन। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पीडीए मतलब प्रोग्रेसिव डेमोक्रेटिक अलायंस का नया शिगूफा छोड़ा है, लेकिन पीडीए का मतलब है प्रोटेक्शन ऑफ डायनेस्टिक अलायंस। ये अपने-अपने परिवार को बचाने के लिए गठबंधन बना रहे हैं।

कांग्रेस मां, बेटा और बेटी की पार्टी है, बाकी सब कॉन्ट्रैक्ट पर हैं। गहलोत भी कॉन्ट्रैक्ट पर हैं और पायलट भी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र के साथ काम कर रही है। यहां बीलवा में कांग्रेस सरकार के खिलाफ भाजपा के 'नहीं सहेगा राजस्थान' अभियान की शुरुआत करने के बाद एक रैली में नड्डा ने आरोप लगाया कि गहलोत सरकार भ्रष्टाचार के नए रिकॉर्ड स्थापित कर रही है।

नड्डा ने अभियान और एक 'थीम वीडियो' जारी किया, जिसमें महिलाओं के खिलाफ अपराध, उदयपुर में कन्हैया की हत्या, सांप्रदायिक दंगे और अन्य मुद्दों को शामिल किया गया है। उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार का 'फेल कार्ड' भी जारी किया। **-पेज 2 भी देखें**

BJP का चाल-चरित्र-चेहरा आया सामने: गहलोत

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने नड्डा पर पलटवार करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि हमारी बेटियां सुरक्षा व सम्मान की हकदार हैं। बलात्कार की घटनाएं सभ्य समाज के लिए कलंक हैं। ऐसे जघन्य कृत्य की जितनी निंदा की जाए कम है, परन्तु भाजपा नेता हमेशा ऐसी घटनाओं की निंदा करने की बजाय राजनीतिक स्वार्थपूर्ति के लिए झूठे आरोप लगाने लग जाते हैं। जोधपुर और मध्यप्रदेश के दतिया में रेप की घटनाओं में भाजपा और उनके संगठनों से जुड़े लोगों की सहभागिता की खबरें आ रही हैं। ऐसी घटनाओं से भाजपा का चाल, चरित्र और चेहरा बेनकाब हो चुका है। आज नड्डा इन पर मौन रहे, इनकी निंदा तक नहीं की, जो महिला सुरक्षा पर भाजपा कितनी गंभीर है, इसका परिचायक है। राजस्थान पुलिस ने जिस मुस्तैदी के साथ महज 2 घंटे में जोधपुर में नाबालिग बिटिया के साथ हुए दुष्कर्म के आरोपियों को गिरफ्तार किया वह प्रशंसनीय है।

उखाड़ फेंकें कांग्रेस की सरकार

भाजपा अध्यक्ष ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए नड्डा ने कहा कि यह लोगों को लूटती है। इसने दलितों, आदिवासियों, महिलाओं पर अत्याचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। ऐसी सरकार को सत्ता में एक मिनट भी रहने का अधिकार नहीं है। यह कुशासन वाली सरकार है। नवंबर में आप इसको बाहर का रास्ता दिखाएंगे, इस बात का मुझे पूरा विश्वास है।

दो करोड़ लोगों तक पहुंचेंगे

नड्डा ने कहा, भ्रष्टाचार के नए कीर्तिमान बनाना ही गहलोत सरकार का चरित्र है। राज्य की कांग्रेस सरकार ने अपनी वोट बैंक की राजनीति के लिए पाकिस्तान से आए शरणार्थियों के घरों को बुलडोजर से ध्वस्त करने का काम किया है। नड्डा ने कहा कि 'नहीं सहेगा राजस्थान' अभियान के जरिए भाजपा दो करोड़ लोगों तक पहुंचेगी।

नए छोटे जिले बनाने का प्रस्ताव कैबिनेट में रखें: सीएम

छोटे जिले होंगे तो प्रशासनिक दृष्टि से काम भी सुगमता से होंगे

बेधड़क | जयपुर

राज्य में 19 नए जिले बनाने की घोषणा के बाद प्रदेश की सरकार और भी नए छोटे जिलों का गठन कर सकती है। इस बात के संकेत सीएम अशोक गहलोत ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए गांधी नगर रेलवे स्टेशन से वैष्णो देवी यात्रा के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं को संबोधित करने के दौरान दिए।

राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने जब सीएम गहलोत से कहा कि प्रशासनिक दृष्टि से और भी जिलों को गठन करना चाहिए, जिससे आमजन को कामकाज सुगमता से हों। इस पर गहलोत ने जवाब दिया कि नए 19 जिले आपके ही हस्ताक्षर से बनेंगे। वहीं, उन्होंने जाट के सुझाव की सराहना करते हुए कहा कि आप इस मांग को कैबिनेट में रखें और जलदाय मंत्री महेश जोशी और कृषि मंत्री से चर्चा करें, जिससे इस सुझाव को लेकर वक्त पर विचार होगा। गहलोत ने कहा कि देश में 600 में से 100 जिले ऐसे हैं जो 5 लाख से कम जनसंख्या के हैं।

वहां के लोगों को अपने प्रशासनिक काम करवाने में आसानी होती है। कई बार बड़े जिलों में कलेक्टर या अन्य प्रशासनिक अधिकारी इतने व्यस्त रहते हैं कि उनका दूर दराज के गांवों की ओर ध्यान ही नहीं जाता है।

सीएम ने कहा कि नए जिले बनने से प्रशासनिक विकेंद्रीकरण होगा व विकास तीव्र गति से होगा। ही प्रशासन की आमजन तक पहुंच आसान होगी।

पूर्व बोर्ड अध्यक्ष केसावत घूसकांड: एसीबी की सफाई...

RPSC का कोई व्यक्ति शामिल नहीं: डीजी

बेधड़क | जयपुर

आरपीएससी की ईओ भर्ती परीक्षा में पास करवाने की एवज में रिश्वत लेते ट्रैप हुए राज्य घुमंतू जाति कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष गोपाल केसावत और तीन दलालों के मामले में रविवार को एसीबी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कार्यवाहक डीजी हेमंत प्रियदर्शी ने कहा कि इस मामले में आरपीएससी के किसी भी सदस्य या कर्मचारी का अब तक की जांच में कोई भी रोल सामने नहीं आया है। डीजी प्रियदर्शी ने कहा कि सभी आरोपियों को अदालत में पेश करने के बाद उन्हें 15 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया हैं।

एसीबी अब आरोपियों के बैंक खातों, दस्तावेजों और कॉल डिटेल्स की जांच करेगी, जिससे यह स्पष्ट होगा कि यह लोग किन-किन लोगों के संपर्क में थे। पूरी जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा। उन्होंने कहा कि केसावत और उससे जुड़े हुए तीन लोग सिर्फ झांसा देकर परिवादी से ठगी कर रहे थे। इसमें केसावत का भी कोई सीधा जुड़ाव नहीं हैं।

वहीं आरोपियों के रिमांड नहीं लेने के सवाल पर प्रियदर्शी ने कहा कि खातों और सीडीआर की जांच होने के बाद अगर एसीबी को लगेगा की पीसी लेना चाहिए तो एसीबी इनका रिमांड लेगी।

विधानसभा में नियमों में बदलाव की तैयारी

स्पीकर को भी सत्र आहूत करने के अधिकार को लेकर मांगी विधिक राय

- नियम बना तो राज्यपाल के परामर्श से स्पीकर कर सकेंगे सत्र आहूत
- वर्ष में न्यूनतम 3 सत्र और 60 बैठकों के नियम की भी नहीं हो रही पालना
- कर्नाटक राज्य में चल रही ऐसी ही व्यवस्था

पंकज सोनी | बेधड़क

जयपुर। विधानसभा में एक साल में 60 बैठक और तीन सत्रों की अनिवार्यता को लेकर नियमों में बदलाव की कवायद शुरू हो गई है। नियमों में बदलाव करके सत्र आहूत करने का अधिकारी विधानसभा अध्यक्ष को भी मिल सके, इसकी भी अंदरखाने में तैयारी शुरू कर दी गई है। ऐसा होने पर सरकार के साथ विधानसभा अध्यक्ष भी राज्यपाल से परामर्श करके सत्र बुला सकेगा। विधानसभा की नियम समिति में इस तरह के बदलाव को लेकर स्पीकर सीपी जोशी की मौजूदगी में प्रारंभिक चर्चा हो चुकी है।

समिति ने विधि विभाग से ऐसे नियम पर विधिक राय मांगी है। विस के मौजूदा नियमों में भी एक साल में न्यूनतम तीन सत्र और साठ बैठकें बुलाने प्रावधान है, लेकिन ऐसा हो नहीं पाता है, क्योंकि राज्य सरकार कार्य नहीं होने के बहाने से सत्र बुलाने में आनाकानी करती है।

> विधानसभा के नियमों में प्रावधान है कि 60 बैठकें एक साल में होनी चाहिए। फिर भी, इतनी बैठकें नहीं हो पाती। सत्र भी कम से कम तीन होने चाहिए। यह पहले से नियमों में है। इसे लागू करने के लिए स्पीकर को सत्र बुलाने का अधिकार मिले सके, इसके लिए विधिक राय मांगी गई है।
>
> **-संयम लोढ़ा,** सदस्य नियम समिति

तीन विकल्पों पर हो रहा है विचार

नियम समिति में स्पीकर को अधिकार देने और सत्र बुलाने की बाध्यता को लेकर तीन विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। इसमें पहला सीधे ही नियम समिति की तरफ से नियमों में बदलाव करना, दूसरा नया कानून बनाना और तीसरा विधानसभा में इसे लेकर चर्चा करवाना शामिल है। विधिक राय आने के बाद नियम समिति द्वारा इन तीनों में से एक विकल्प पर काम शुरू किया जाएगा।

कर्नाटक में स्पीकर को है अधिकार

कर्नाटक में विधानसभा अध्यक्ष को राज्यपाल से परामर्श करके सीधे सत्र आहूत करने का अधिकार है। सरकार की तरफ से प्रस्ताव भेजे जाने की आवश्यकता नहीं है। इसके लिए अलग से कानून पारित किया गया है।

शुरुआती दशक में नियमानुसार हुई बैठकें

विधानसभा में नियम भी है कि हर वर्ष 60 बैठकें होनी चाहिए। यानी पांच साल में करीब 300 बैठकें तो होनी चाहिए, लेकिन बैठकों की संख्या इसकी आधी भी नहीं हो पातीं। प्रदेश में 15वीं विधानसभा चल रही है। विधानसभा का चालू सत्र वर्तमान सरकार का अंतिम सत्र माना जा रहा है। अभी तक साढ़े चार साल बीतने पर महज 142 बैठकें ही हुई। साल 1952 में जब प्रदेश में पहली बार चुनाव हुए और पहली विधानसभा गठित हुई थी, तब 303 बैठकें हुई थीं। उसके बाद 1957 में दूसरी विधानसभा भी 306 बैठकें हुईं, लेकिन अब स्थिति इसकी उलट है।

जरूरी खबर

भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष ने संभाला कार्यभार

जयपुर। महिला मोर्चा की नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष रक्षा भंडारी ने रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण समारोह में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, प्रदेश सह-प्रभारी विजया राहटकर, महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूजा कपिल मिश्रा और महिला मोर्चा की पूर्व प्रदेशाध्यक्ष तारा भंडारी उपस्थित रहीं। इस मौके पर भंडारी ने कहा कि एक सामान्य कार्यकर्ता को प्रदेश की जिम्मेदारी मिलना यदि कहीं संभव है तो वह भाजपा में ही संभव है। मुझे संगठन की ओर से जो जिम्मेदारी दी गई है, उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगी।

युवा मोर्चा की ओर से 19 को RPSC के बाहर प्रदर्शन

जयपुर। राज्य की कांग्रेस सरकार के खिलाफ भाजपा युवा मोर्चा कार्यकर्ता बुधवार को आरपीएससी का घेराव करेंगे। इस घेराव में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या और युवा मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नेहा जोशी युवाओं को संबोधित करेंगी। युवा मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष अंकित चेची गुर्जर ने कहा कि घेराव में सभी जिलों से भारी संख्या में युवा अजमेर पहुंचेंगे। घेराव की तैयारियों को लेकर अजमेर में युवा मोर्चा के कार्यकर्ता जुटे हुए हैं।

हरियाव-जसपुर ब्लॉक से मिलेगा करोड़ों का राजस्व

जयपुर। उदयपुर के हरियाव-जसपुर लाइमस्टोन ब्लॉक माइनिंग लीज की नीलामी से राज्य सरकार को 50 साल में 5585 करोड़ का राजस्व मिलेगा। एसीएस माइंस एवं पेट्रोलियम वीनू गुप्ता ने बताया कि हरियाव-जसपुर लाइमस्टोन ब्लॉक माइनिंग लीज की ई-नीलामी 134.95 प्रतिशत प्रीमियम पर होने से साढ़े पांच हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि राजस्व के रूप में प्राप्त होगी। गुप्ता ने बताया कि भारत सरकार के ई-पोर्टल पर नीलामी के अंतिम चरण में श्री सीमेंट, बिरला कॉरपोरेशन, वंडर सीमेंट, उदयपुर सीमेंट और अंबुजा सीमेंट ने हिस्सा लिया। उदयपुर सीमेंट ने रिजर्व प्राइस पर 134.95 प्रतिशत प्रीमियम बोली लगाकर माइनिंग लीज प्राप्त की है।

जखमों पर सियासत: जोधपुर के जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में रेप की घटना के बाद गरमाई राजनीति

भाजपा-कांग्रेस घटना के लिए एक-दूसरे को ठहरा रहे जिम्मेदार

■ छात्र संगठन आज करेंगे अलग-अलग विरोध प्रदर्शन

बेधड़क | जयपुर

जोधपुर के जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में रविवार को एक नाबालिग के साथ हुए दुष्कर्म के बाद प्रदेश में सियासी बयानबाजी तेज हो गई है।

भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के पदाधिकारियों ने एक-दूसरे पर आरोप लगते हुए घटना के लिए जिम्मेदार बताया। घटना को लेकर पीसीसी अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, भाजपा महामंत्री दीया कुमारी, अर्चना शर्मा सहित कई नेताओं ने बयानबाजी की। वहीं मामले में राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष संगीता बेनीवाल ने आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के लिए अतिरिक्त महानिदेशक (सिविल राइट्स), पुलिस आयुक्त जोधपुर को पत्र लिखा है।

बेनीवाल ने दूरभाष पर भी पुलिस आयुक्त जोधपुर से प्रकरण की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आयोग उनकी पूरी मदद करेगा, इसके साथ ही बच्ची के साथ मुलाकात भी की जाएगी। वे खुद मामले पर नजर बनाए हैं।

डॉ. अर्चना शर्मा ने गजेन्द्र सिंह शेखावत पर साधा निशाना, घटना पर नहीं बोला एक शब्द

समाज कल्याण बोर्ड की चेयरपर्सन डॉ. अर्चना शर्मा ने पीसीसी में प्रेस वार्ता के दौरान जोधपुर में नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में कहा कि पुलिस की तत्परता से तीनों अपराधी मात्र 180 मिनट में पकड़े गए। जोधपुर शहर में ऐसी वीभत्स घटना होने के बावजूद स्थानीय सांसद जो कि केन्द्रीय मंत्री भी हैं, ने घटना पर एक शब्द नहीं बोले, क्योंकि उक्त घटना में आरोपी छात्रसंघ चुनावों में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का प्रचार करने के लिए जोधपुर आए थे। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेता जो कि, हर गैर मुद्दे पर भी आक्रामक हो जाते हैं, इतनी बड़ी घटना घटित होने के बावजूद चुप हैं, क्योंकि पकड़े गए आरोपी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से सम्बद्ध है। यह भाजपा नेताओं के दोहरे चरित्र का परिचायक है तथा भारतीय जनता पार्टी की महिला एवं दलित विरोधी मानसिकता को दर्शाता है।

विचलित करने वाली घटना: दीया

भाजपा सांसद और महामंत्री दीया कुमारी ने ट्वीट कर कहा कि जोधपुर के जेएनवीयू विश्वविद्यालय में एक नाबालिग बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म, विचलित करने वाली घटना है। बलात्कार, अपहरण, अपराध व हत्याओं के मामले में कांग्रेस सरकार आखिर प्रश्रयकारी क्यों बन रही है? जोधपुर में हुई इस घटना के बाद छात्र संगठन भी सोमवार को अलग-अलग जगह पर प्रदर्शन करेंगे। छात्र संगठन एनएसयूआई की ओर से प्रदेशव्यापी आंदोलन के तहत राजस्थान विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर 11 बजे प्रदर्शन किया जाएगा। वहीं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जयपुर प्रान्त का 11:30 बजे जिला कलेक्ट्रेट पर आंदोलन होगा। वहीं राजस्थान विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर 10:30 बजे छात्र नेता विकास घोसल्या के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

अपराधी किसी जाति का नहीं: डोटासरा

जोधपुर में हुए घटनाक्रम के बाद सियासी बयानबाजी भी शुरू हो गई है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि हम बार-बार ये कहते हैं कि अपराधी की न कोई जाति होती है और ना कोई पार्टी। भाजपा हर घटना को राजनीतिक रंग देकर बेवजह सरकार और कांग्रेस पार्टी को बदनाम करने का षड्यंत्र रचती है। अब भाजपा के स्टूडेंट विंग एबीवीपी से संबंधित एक कार्यकर्ता द्वारा रेप जैसे घिनौने काम में लिप्त होने की पुलिस रिपोर्ट के बाद भाजपा के लोग क्या जवाब देंगे?

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पार्टी के कार्यकर्ताओं को दी नसीहत

'मैं और मेरा छोड़कर हम और हमारा' के ध्येय पर करें काम

■ नड्डा बोले- संगठन में काम करने के इच्छुक नेता उसी पर करें फोकस

बेधड़क | जयपुर

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी के नेताओं को नसीहत देते हुए कहा कि "मैं और मेरा छोड़कर हम और हमारा' के ध्येय के साथ काम करना शुरू कर दें। एकजुट रहकर आगामी चुनावों में जीत दर्ज करने का मंत्र देते हुए नड्डा ने कहा कि मतभेदों को भुलाकर सभी को साथ आना होगा। बैठक में नेताओं और पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने स्पष्ट कहा कि संगठन में काम करने के इच्छुक नेता संगठन पर ही फोकस करें।

जिन्हें चुनाव लड़ना है वे चुनाव पर फोकस करें। बीलवा में जनसभा में नड्डा ने कहा कि राजस्थान में वृद्धा पेंशन में लगभग 400 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में 511 मामले

दर्ज हुए हैं, लेकिन उनका कोई नतीजा नहीं निकला है। गहलोत परिवार के लोग हजारों करोड़ रुपए के कॉन्ट्रैक्ट ले रहे हैं। गहलोत सरकार में परिवार का पोषण चल रहा है। भरतपुर रहने वाले गहलोत सरकार के मंत्री के पतिदेव पर रेप और मर्डर का केस दर्ज हुआ है और गहलोत सरकार उसे बचाने में जुटी है। यह अत्याचार, उत्पीड़न है या नहीं है?भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर अगले साल तक बन जाएगा, जो सदियों से हर भारतवासी का सपना था। विश्वनाथ धाम, केदारनाथ धाम, महाकाल धाम, सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार हुआ है।

भ्रष्टाचार में पकड़े जा रहे कांग्रेसी: जोशी

सीपी जोशी ने कहा राजस्थान में भ्रष्टाचार चरम पर है। कांग्रेस के पूर्व राज्यमंत्री गोपाल केसावत को एसीबी ने 18 लाख रुपए लेते हुए पकड़ा है, इससे पहले बाबूलाल कटारा जो आरपीएससी के मेंबर बने, उनकी गिरफ्तारी के समय वह कह चुके हैं कि उन्होंने डेढ़ करोड़ रुपए इस पद के लिए दिए थे। जोशी बोले सुरेश ढाका के लिए सलमान खुर्शीद जैसा वकील आ सकता है तो अच्छा होता जयपुर बम ब्लास्ट के आरोपियों को सजा दिलाने के लिए अच्छा वकील खड़ा करते।

सरकार के काम के दो महीने बचे: राठौड़

नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि राजस्थान अब जुल्म नहीं सहेगा, प्रदेश की जनता कांग्रेस सरकार की झूठी घोषणाओं, वादा खिलाफी, भ्रष्टाचार महिला और दलित उत्पीड़न से पूरी तरह त्रस्त है। गहलोत सरकार के काम के महज दो महिने बचे हैं, आगामी दो महीने बाद आचार संहिता लग जाएगी। गहलोत सरकार के कार्यकाल में प्रदेश शर्मशार हुआ है, पन्नाधाय और पदमिनी का इतिहास शर्म से झुक गया।

अपने विधायक की नहीं सुन रही सरकार: राजे

पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने कहा कि कांग्रेस के एक वरिष्ठ विधायक विधानसभा में इसलिए नहीं आ रहे क्योंकि उनकी कोई सुन ही नहीं रहा। उन्होंने कहा कि जिस सरकार में सत्ता पक्ष के विधायक की ही सुनवाई न हो, उसमें आम जन की कौन सुनेगा? उन्होंने कहा कि अब गहलोत सरकार की विदाई तय है। साढ़े 4 साल तक भ्रष्टाचार कर जो सरकार जनता को लूट रही थी, वह अब हार के भय से अंतिम समय में राहत देने का अभिनय कर रही है। कांग्रेस के पूर्व मंत्री घूस लेते हुए गिरफ्तार हो रहे हैं। पूरे देश में कहीं सबसे अधिक भ्रष्टाचार है, तो वह राजस्थान में है। कानून व्यवस्था में भी इस सरकार ने सारे रेकॉर्ड तौड़ दिए हैं।

PM की सभा में जाते वक्त हुआ था हादसा

घायल युवकों से मिलने अस्पताल पहुंचीं राजे

बेधड़क | जयपुर

पीएम नरेन्द्र मोदी की बीकानेर 8 जुलाई को सभा में घायल हुए युवकों से मिलने पूर्व सीएम वसुंधरा राजे रविवार को सीतापुरा स्थित महात्मा गांधी अस्पताल पहुंचीं। जहां उन्होंने युवकों की कुशलक्षेम पूछी।

गौरतलब है कि कई लोग बस में सवार हो कर पीएम की सभा में भाग लेने जा रहे थे। बस रास्ते में दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें कई लोग गंभीर घायल हुए थे। सभी घायल रायसिंहनगर के थे, जिन्हें उसी वक्त बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में भर्ती करवाया गया था, जिनसे मिलने राजे उस वक्त

भी पीबीएम अस्पताल पहुंचीं थीं। राजे ने इस दौरान घायलों को एक-एक लाख रुपए की सहायता और हर संभव मदद करने का वादा किया था। इसमें से दो युवक विजय पाल और बलकार सिंह की हालत नाजुक हो गई थी, जिन्हें राजे ने 2 दिन पहले जयपुर अस्पताल में भर्ती करवाया था।

कमलेश ने जीते एक लाख

बेधड़क | जयपुर

गहलोत सरकार की ओर से चलाए जा रहे जन सम्मान वीडियो कॉन्टेस्ट के रविवार 13 जुलाई को जारी परिणाम के अनुसार झोटवाड़ा के 26 वर्षीय कमलेश चौधरी ने प्रथम पुरस्कार के रूप में 1 लाख रुपए जीते।

उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल पर दो वीडियो पोस्ट किए थे। जिसमें एक चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना पर आधारित था तो दूसरा स्वास्थ्य अधिकार को लेकर बनाया गया था। दूसरे स्थान पर अलवर के समीर कुमार सैनी ने 50 हजार रुपए की इनाम राशि जीती। उन्होंने इंदिरा गांधी गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना पर वीडियो बनाकर शेयर किया।

वहीं बीकानेर के 17 वर्षीय मोहम्मद जैश भाटी 25 हजार रुपए जीत कर तीसरे स्थान पर रहे। उन्होंने अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना पर वीडियो बनाया।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के बयान पर डोटासरा का पलटवार

नड्डा की रैली विफल, भाजपा के नेताओं से जनता बना रही दूरी: पीसीसी चीफ

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा की रैली को विफल बताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता ने भारतीय जनता पार्टी एवं भाजपा नेताओं से दूरी बना ली है।

जिससे भाजपा के केंद्रीय नेताओं की रैली में भीड़ जुटनी बंद हो गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता राजस्थान में आकर झूठे तथ्य और असत्य कथन कह कर

जनता को भ्रमित करना चाहते हैं। जबकि प्रदेश की जनता भाजपा के नेताओं की असलियत पहचान चुकी है। डोटासरा ने कहा कि भाजपा अध्यक्ष नड्डा को यह जानकारी नहीं है कि राजस्थान में शहीद सैनिकों की वीरांगनाओं को दिए जाने वाला पैकेज देश में सबसे बड़ा है और भाजपा नेता व सांसद द्वारा शहीद सैनिक के परिवार की वीरांगनाओं को नौकरी दिलवाने की बजाए अन्य रिश्तेदार को नौकरी दिलवाने के लिए आंदोलन किया था।

जिसका विरोध प्रदेश की असंख्य वीरांगनाओं ने किया था। उन्होंने कहा कि राजस्थान में भ्रष्टाचार के विरूद्ध जीरो टोलरेंस पॉलिसी के तहत एन्टी करप्शन ब्यूरो ने कार्रवाई करते हुए कलेक्टर, एसपी जैसे अधिकारियों के साथ 1750 से अधिक अपराधियों को जेल के सलाखों के पीछे पहुंचाया।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि भाजपा विपक्ष के नेताओं की एकता से घबराकर बौखला गई है। जिस कारण भाजपा नेता अनर्गल बयान दे रहे हैं। जबकि भाजपा में परिवार के नाम पर भाजपा पदाधिकारी बनने वाले एवं टिकट लेकर जनप्रतिनिधि बने लोगों की लम्बी फेहरिस्त है।

प्रदेश में बढ़ रहा बाघों का कुनबा, सीएम ने जताई खुशी

रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में 3 शावक के साथ नजर आई 'बेगम'

बेधड़क | जयपुर

वन्यजीव प्रेमियों के लिए सुखद खबर सामने आई है। बूंदी जिले में स्थित रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में बाघिन आरवीटी-2 (बेगम) को उसके 3 शावकों के साथ देखा गया। प्रदेश में बाघों के कुनबे में हो रही बढ़ोतरी पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी खुशी जाहिर की है।

सीएम ने ट्वीट किया कि विश्व बाघ दिवस 29 जुलाई 2019 को की गई बजट घोषणा में रामगढ़ विषधारी बाघ अभ्यारण्य के लिए

किए गए प्रस्ताव का सुखद परिणाम वन के नए मेहमानों के रूप में सामने आ गया है। आज पुनः नए शावकों के जन्म की सुखद खबर मिली। सरकार की वन्य जीवन संरक्षण की मुहिम को मजबूत करने के लिए आरवीटीआर टीम को बधाई। वहीं वन विभाग के एसीएस शिखर अग्रवाल ने भी ट्वीट कर खुशी जाहिर की है। रामगढ़ विषधारी को एक साल पहले मई 2022 में टाइगर रिजर्व घोषित किया गया था। यह प्रदेश का चौथा टाइगर रिजर्व है। यहां की एकमात्र बाघिन 13 जुलाई को अपने तीन शावकों के साथ नजर आई है। रिजर्व के डिप्टी कंजरवेटर ऑफ फॉरेस्ट संजीव शर्मा का कहना है कि बाघिन वर्तमान में रामगढ़ महल के पीछे के एरिया में विचरण कर रही है। तीनों शावकों की उम्र दो से ढाई महीने के आस-पास है।

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की कवायद

गलता पीठ का 35 करोड़ रुपए से होगा जीर्णोद्धार, CM ने दी स्वीकृति

■ नाग तलाई नाले की कायापलट करेगी सरकार

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अब मंदिरों को ट्यूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने में जुट गई है। वहीं सीएम गहलोत हर वर्ग को राहत पहुंचाने के लिए लगातार सौगात दे रहे हैं।

इसी के चलते राज्य सरकार ने रविवार को धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने और आमजन के लिए कई सुविधाएं विकसित करने को

लेकर कई वित्तीय प्रस्ताव को मंजूरी दी। इसके तहत जयपुर के गलता पीठ मंदिर में विभिन्न विकास कार्यों के लिए 35 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। वहीं गलता गेट के पास सामुदायिक केन्द्र और दिल्ली रोड स्थित नाग तलाई नाले का भी जीर्णोद्धार होगा। गहलोत की इस स्वीकृति से मंदिर में एप्रोच रोड व सौन्दर्यीकरण, सामुदायिक केन्द्र और नाग तलाई नाले की मरम्मत, डिसिल्टिंग सहित कई स्थानों पर कवरिंग के विकास के काम होंगे।

20 संस्कृत कॉलेजों में 200 पदों का सृजन

प्रदेश में संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 20 नए राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय खोले जा रहे हैं। सीएम गहलोत ने महाविद्यालय के लिए 200 पदों के सृजन के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है। प्रत्येक राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय के लिए प्राचार्य शास्त्री का एक पद, सहायक आचार्य के 5 पद, पुस्तकालयाध्यक्ष, शारीरिक प्रशिक्षक अनुदेशक, कनिष्ठ सहायक और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का एक-एक पद (कुल 10 पद) होंगे। इस प्रकार 20 महाविद्यालयों के लिए कुल 200 पद सृजित किए जाएंगे।

पुलिस में बनेगा महिला सेंट्रल पाइप बैंड

राजस्थान पुलिस में अब महिला सेंट्रल पाइप बैंड भी प्रस्तुति देता नजर आएगा। मुख्यमंत्री गहलोत ने राजस्थान पुलिस अकादमी में बैंड गठन करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस बैंड के लिए 11 नए पद सृजित होंगे। नए पदों में प्लाटून कमाण्डर (बैण्ड) का 1 पद, हैड कांस्टेबल (बैण्ड) का 1 पद और कांस्टेबल (बैण्ड) के 9 पद हैं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र क्रमोन्नत

राज्य सरकार चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत कर रही है। इसी क्रम में बीकानेर जिले की पंचायत समिति श्रीडूंगरगढ़ का गुसाई सरबड़ा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में क्रमोन्नत होगा। इसके संचालन के लिए 14 पदों के सृजन को स्वीकृति भी दी है। नए पदों में वरिष्ठ चिकित्साधिकारी, चिकित्साधिकारी, नर्सिंग ऑफिसर-प्रथम, सहायक रेडियोग्राफर, कनिष्ठ/वरिष्ठ सहायक के एक-एक पद, नर्स श्रेणी-द्वितीय के 4 और कनिष्ठ विशेषज्ञ के 2 सहित कुल 14 पद हैं।

चूरू एवं पाली जिले में खुलेंगे स्पोर्ट्स स्कूल

चूरू एवं पाली जिले में स्पोर्ट्स स्कूल खोले जाएंगे। इसके लिए सीएम गहलोत ने 17 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रावधान को स्वीकृति दी है। प्रत्येक स्कूल में 8.50 करोड़ रुपए की लागत से निर्माण कार्य होंगे। इस निर्णय से खिलाड़ी स्कूलों में कक्षा 6 से प्रवेश कर पढ़ाई करने के साथ-साथ खेल प्रशिक्षण भी प्राप्त कर सकेंगे। वे यहां कक्षा 12वीं तक निरंतर पढ़ाई कर सकेंगे।

जरूरी खबर

सहभागिता से हुआ मीडिया का लोकतंत्रीकरण

जयपुर। विश्व संवाद केन्द्र फाउंडेशन की ओर से रविवार को नागरिक पत्रकारिता विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जयपुर प्रांत के प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। विश्व संवाद केन्द्र की अध्यक्ष डॉ. शुचि चौहान ने बताया कि वीएसके की गतिविधियां वर्षभर चलती हैं। इसी कड़ी में रविवार को पाथेयकण संस्थान में नागरिक पत्रकारिता पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। अलग-अलग सत्रों में समाचार लेखन, प्रेस विज्ञप्ति और संपादक के नाम पत्र, फोटो- वीडियो एडिटिंग, पोस्टर निर्माण का प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने बताया कि आज नागरिक पत्रकारिता की सहभागिता से मीडिया का लोकतंत्रीकरण हुआ है। इंटरनेट के आगमन के बाद नागरिक पत्रकारिता का व्यापक बढ़ा है।

शिक्षक-कर्मचारी आज करेंगे विधान सभा की ओर कूच

जयपुर। प्रदेश के तृतीय श्रेणी शिक्षक और संविदाकर्मी अपनी मांगों को लेकर सोमवार को 22 गोदाम पर सभा कर विधानसभा की ओर कूच करेंगे। राजस्थान शिक्षक संघ एकीकृत के प्रवक्ता रणजीत मीणा ने बताया कि तृतीय श्रेणी के शिक्षक कई वर्षों से तबादलों को लेकर सरकार से मांग कर रहें है, लेकिन चार साल से तबादला नीति बनाने का हवाला देकर ट्रांसफर नहीं किए जा रहें हैं। मांग को लेकर सोमवार को धरना प्रदर्शन कर सरकार का ध्यान आकर्षित करेंगे। वहीं स्थायीकरण की मांग को लेकर संयुक्त संविदा मुक्ति मोर्चा के बैनर तले संविदा कर्मी सोमवार को 22 गोदाम पर जुटेंगे। प्रदेशाध्यक्ष नरेन्द्र चौधरी ने बताया कि सरकार ने जन घोषणा पत्र में 1 लाख 10 हजार संविदा कर्मियों को नियमित करने की घोषणा की थी, लेकिन सरकार ने अपने वादा नहीं निभाया।

प्रदेश में एक बार फिर मानसून सक्रिय, चार दिन रहेगी झमाझम

देर शाम हुई बारिश, लोगों को उमस और गर्मी से मिली राहत

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में एक बार फिर बारिश का दौर लौट आया है। रविवार को राजधानी जयपुर के अलावा कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़, करौली, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, उदयपुर आदि इलाकों में भी बारिश ने लोगों को तर-बतर कर दिया। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने आने वाले दो तीन दिन प्रदेश में 10 से ज्यादा जिलों में बारिश की संभावना जताई है।

पिछले तीन-चार दिनों से गर्मी और उमस से परेशान जयपुरवासियों को रविवार देर शाम राहत मिल गई। सुबह से ही आसमान में बादल छाए हुए थे और कुछ इलाकों में सुबह हल्की बारिश हुई थी, लेकिन दिन में फिर से उमस बढ़ने से लोग परेशान होने लग गए।

उसके बाद देर फिर से मौसम ने पलटी मारी और हवा के साथ बारिश होने लगी। शहर के गोपालपुरा, सी स्कीम, अजमेर रोड, बनीपार्क, मानसरोवर, शास्त्री नगर, परकोटा इलाके में बारिश हुई। करौली जिले के श्रीमहावीरजी में 74 एमएम बारिश दर्ज की गई, वहीं कोटा में भी तेज बारिश से सड़कें लबालब हो गई। कोटा में 35.3 मिमी और गंगानगर में 23.4 मिमी बारिश दर्ज हुई।

फोटो: पंकज शर्मा

सर्कुलेशन सिस्टम सक्रिय, बरसेंगे मेघ

बीते 5 दिन से प्रदेश के अधिकांश इलाकों में मानसून सुस्त था। बारिश के थमे दौर के साथ ही पारे का मिजाज गर्म रहा, वहीं उमस से भी लोग परेशान रहे थे। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार मध्य प्रदेश के उत्तरी इलाकों से होकर प्रदेश के दक्षिण पूर्वी भागों में सर्कुलेशन सिस्टम बन रहा है। इसके असर से आज से अगले 4 दिन तक दस से ज्यादा जिलों में मानसूनी गतिविधियां तेज होने और बारिश के आसार हैं।

मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने प्रदेश के उत्तर पूर्वी हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा का अलर्ट जारी किया है। प्रदेश में जयपुर, भरतपुर, अलवर, सीकर, झुंझुनूं जिलों में बारिश की संभावना जताई है। इसके अलावा प्रदेश के दक्षिणी हिस्से में बारां, झालावाड़, करौली, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, बूंदी, उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, राजसमंद जिलों में बारिश के आसार हैं।

सौगात: मुख्यमंत्री ने सीएमआर से श्रद्धालुओं को किया संबोधित

स्पेशल ट्रेन रवाना, 1200 श्रद्धालु वैष्णो के दरबार में लगाएंगे धोक

■ दूदू विधायक बाबूलाल नागर ने खुद के खर्चे पर भेजा अपने क्षेत्र के लोगों को

■ गांधी नगर स्टेशन से नागर, जलदाय मंत्री महेश जोशी और देवस्थान मंत्री शकुंतला रावत ने ट्रेन को झंडी दिखा किया रवाना

बेधड़क | जयपुर

गांधी नगर रेलवे स्टेशन से रविवार को माता वैष्णो देवी के दरबार में धोक लगाने के लिए स्पेशल ट्रेन से 1200 श्रद्धालु रवाना हुए। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सीएमआर से वीसी के जरिए इस कार्यक्रम में शिरकत की और श्रद्धालुओं को संबोधित किया।

गांधी नगर रेलवे स्टेशन से दूदू विधायक बाबूलाल नागर, जलदाय मंत्री महेश जोशी और देवस्थान मंत्री शकुंतला रावत ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। दूदू विधायक बाबूलाल नागर ने खुद के खर्चे पर अपने क्षेत्र के करीब 1200 लोगों को इस तीर्थयात्रा पर भेजा है। दूदू विधानसभा क्षेत्र के यह लोग मां वैष्णो देवी के दरबार में हाजिरी लगाएंगे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करने के बाद ट्वीट किया कि चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है ! उन्होंने तीर्थयात्रियों की विशेष ट्रेन को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर माता वैष्णो देवी के लिए रवाना किया। यह कदम लोगों की आस्था, विश्वास और मान्यता के सम्मान में समर्पित हैं।

नागर के काम करने का तरीका अलग: गहलोत

सीएम गहलोत ने विधायक नागर को लेकर कहा कि इनका काम करने का तरीका अलग हैं। इसलिए वो अलग ट्रेन करके क्षेत्रवासियों को वैष्णो देवी माता के दरबार में भेज रहे हैं। मैं इनको इसके लिए धन्यवाद देता हूं। इनकी काम करने की सोच और तरीका वास्तव में काबिले तारीफ है। उन्होंने कहा कि बीसलपुर का पानी दूदू कैसे पहुंचे। इसलिए इन्होंने पिछली कांग्रेस सरकार में हमारे ऊपर दबाव बनाया। आखिरकार मुझे दूदू आना पड़ा और शिलान्यास भी करना पड़ा। इसके साथ ही दूदू तक बीसलपुर का पानी भी पहुंच गया। दूदू क्षेत्र किसी भी क्षेत्र में पीछे ना रहे, इसलिए ये लगातार विकास के कार्यों में लगे रहते हैं।

तीर्थयात्रा करवाना नेक व पुण्य कार्य: महेश जोशी

मंत्री महेश जोशी ने कहा कि वरिष्ठजनों को तीर्थयात्रा करवाना बेहद नेक और पुण्य कार्य है। देवस्थान मंत्री शकुंतला रावत ने कहा कि जनभावना का सम्मान करते हुए राज्य सरकार ने 593 मंदिरों के विकास के लिए 593 लाख रुपए की स्वीकृति दी है। कार्यक्रम को कृषि मंत्री लालचंद कटारिया, राजस्व मंत्री रामलाल जाट, राजस्थान लघु उद्योग विकास निगम के अध्यक्ष राजीव अरोड़ा ने संबोधित किया। इस दौरान एडीएम दिनेश शर्मा, एडीएम अमृता चौधरी सहित जिला प्रशासन के उच्चाधिकारी मौजूद रहे।

धार्मिक स्थलों के विकास में जुटी राज्य सरकार

सीएम गहलोत ने ट्रेन को रवाना करने से पहले यात्रियों को वीसी के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि धार्मिक स्थलों के विकास के लिए राज्य सरकार लगातर काम कर रही है। वरिष्ठजनों की भावना के अनुसार तीर्थयात्रा योजना में विस्तार किया है। उन्होंने कहा कि दूदू विधायक बाबूलाल नागर की ओर से अपने खर्चे पर स्पेशल ट्रेन से यात्रा करवाना अनुकरणीय पहल है। सीएम ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि माता वैष्णो देवी की यात्रा को रवाना करने का मौका मिला है। मेरी मजबूरी है मेरे पैर में चोट आई है, नहीं तो मैं वहां जरूर आता। आप सभी मेरी ओर से भी माता के दरबार में धोक लगाएं। गहलोत ने कहा कि कांग्रेस सरकार हर सुख-दुख में प्रदेशवासियों के साथ खड़ी रही। धार्मिक यात्राओं के साथ-साथ मंदिर के पुर्ननिर्माण के लिए हमारी सरकार लगातार काम कर रही है।

'गहलोत का शानदार मैनेजमेंट'

इस मौके पर दूदू विधायक बाबूलाल नागर ने कहा कि सीएम गहलोत ने हर स्थिति,परिस्थिति में शानदार मैनेजमेंट किया और कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं सोया। दूदू की जनता ये चाहती है की अशोक गहलोत ही चौथी बार मुख्यमंत्री बने। नागर ने कहा कि राजस्थान सरकार धार्मिक क्षेत्र के विकास सहित हर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया है।

शहर कांग्रेस अध्यक्ष ने संभाला पदभार

पार्टी के प्रति समर्पण का इनाम: तिवारी

बेधड़क | जयपुर

शहर कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष आरआर तिवारी ने रविवार को अध्यक्ष का पदभार ग्रहण कर लिया। निवर्तमान अध्यक्ष प्रताप सिंह खाचरियावास ने उन्हें पद ग्रहण कराया। पुरानी विधानसभा के सामने रामचंद्र जी मंदिर स्थित शहर कांग्रेस कार्यालय में तिवारी को कार्यभार ग्रहण कराने के लिए राजस्थान सह प्रभारी अमृता धवन, खाद्य मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास, जलदाय मंत्री महेश जोशी, बगरू विधायक गंगा देवी, विधायक अमीन कागजी, राजीविका चेयरमैन राजीव अरोड़ा, हेरिटेज महापौर मुनेश गुर्जर सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

साधारण कार्यकर्ता को बनाया अध्यक्ष

मंत्री महेश जोशी ने कहा कि आरआर तिवारी जैसे कर्मठ कार्यकर्ता को शहर का अध्यक्ष बनाने का काम कांग्रेस सरकार ही कर सकती है। जोशी ने कहा कि पिछले 45 साल से वे पार्टी के प्रति समर्पित रहे और धैर्य रखा। इसका इनाम आज इन्हें मिला है। जिलाध्यक्ष आरआर तिवाड़ी ने कहा कि जयपुर आठों विधानसभा सीटों पर कांग्रेस विधायक बनाने के लिए कार्यकर्ता संगठित होकर कार्य करेंगे।

अंदर जमावड़ा, बाहर जाम

पदभार ग्रहण समारोह में भाग लेने आए नेताओं की गाड़ियां आड़ी-तिरछी पुरानी विधानसभा और रामचंद्रजी मंदिर के बाहर ही खड़ी हो गई। रविवार होने के कारण पर्यटक भी अधिक संख्या में शहर का भ्रमण कर रहे थे। ऐसे में सड़क पर लम्बा जाम लग गया। इस दौरान तैनात पुलिस प्रशासन जाम को हटवाने में लगा रहा

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए खबर, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

बगरू थाने पर 4 घंटे स्थानीय लोगों के साथ किया प्रदर्शन

डीजे जब्त किया तो भड़के कावड़िए

बेधड़क | जयपुर

श्रावण मास के दूसरे सोमवार को शिवालयों में बाबा भोलेनाथ का जलाअभिषेक करने के लिए मालेश्वर धाम से कावड़ लेकर आ रहे कावड़ियों के साथ चल रहे डीजे को बगरू पुलिस द्वारा जब्त करने पर विवाद उत्पन्न हो गया। रविवार दोपहर करीब डेढ़ बजे जयपुर अजमेर हाईवे पर कावड़ियों के साथ चल रहे डीजे को पुलिस ने रोककर जब्त कर लिया। आसपास के लोग व सभी कावड़िये थाने पर एकत्रित हो गए और पुलिस की इस कार्रवाई के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने लग गए। कावड़ियों के इस धरने प्रदर्शन में सैकड़ों स्थानीय ग्रामीण भी शामिल हो गए। सूचना मिलने पर बगरू एसीपी अनिल शर्मा मौके पर पहुंचे और धरना प्रदर्शन कर रहे लोगों से वार्ता की। मामला शांत नहीं हुआ। कावड़ियों ने मांग रखी की जब्त किए गए डीजे को छोड़ा जाए और आगे कावड़ यात्रा में डीजे बजाने की अनुमति दी जाए। एसीपी अनिल शर्मा की समझाइश के बाद कावड़िए व स्थानीय लोग गंतव्य की ओर रवाना हो गए। करीब चार घंटे बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ।

राजधानी में बेलगाम दौड़ रही हैं जेसीटीएल बसें

स्कूटी सवार को कुचला, 30 फीट घसीटा

बेधड़क | जयपुर

वीकेआई थाना इलाके में सीकर रोड स्थित 2 नंबर चौराहे पर रविवार को सुबह साढ़े सात बजे जेसीटीएल बस ने स्कूटी सवार को कुचल दिया। स्कूटी सवार बस के नीचे फंसने के बाद भी चालक उसे 30 फीट तक घसीटता हुआ ले गया। हादसे के समय बस चालक ईयरफोन लगाए हुए था।

पुलिस के अनुसार मृतक मुरलीपुरा निवासी नरेन्द्र कुमार गौतम (58) आर्मी से रिटायर्ड हैं। उन्हें कुछ समय पहले पैरालिसिस हो गया था, जिसके चलते रोज वह सुबह स्कूटी से अम्बाबाड़ी स्थित योगा सेंटर पर योगा करने जाते थे। रविवार सुबह कुछ ही दूरी पर चले थे कि बस ने उन्हें चपेट में ले लिया। लोगों ने उन्हें अस्पताल में पहुंचाया, जहां चिकित्सको ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कांवटिया अस्पताल से पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। यह कोई पहला मामला नहीं है। टोंक रोड से लेकर सीकर रोड तक जेसीटीएल की बसें हादसों में कई लोगों की जान ले चुकी हैं।

सच बेधड़क की खबर से जागरूक हुए लोग...

तीज माता की सवारी ब्रह्मपुरी से निकलेगी तो हम करेंगे जोरदार स्वागत

बेधड़क | जयपुर

पारंपरिक त्योहार तीज माता की सवारी के मार्ग में फैले अतिक्रमण और गंदगी के खिलाफ शहरवासी रविवार को लामबंद हो गए। सच बेधड़क में खबर प्रकाशित होने के बाद ब्रह्मपुरी क्षेत्र के लंगी के बालाजी मंदिर प्रागण में व्यापार मंडल और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधित्व इकट्ठा हुए और माताजी की सवारी के मार्ग में फैले अतिक्रमण और अव्यवस्थाओं के प्रति नाराजगी जाहिर की।

लोगों का कहना कि शाही ठाठ-बाठ से निकलने वाली तीज माता की सवारी हमारी आस्था से जुड़ी हुई है। इसके मार्ग में हम किसी प्रकार की गंदगी और अव्यस्था बर्दाश्त नहीं करेंगे, या तो प्रशासन इसकी भव्यता को लेकर पुख्ता प्रबंध करें नहीं माताजी की सवारी को ब्रह्मपुरी के मुख्य मार्ग से निकाला जाए। इसके लिए हम जन आंदोलन कर सरकार तक अपनी बात पंहुचाएंगे। बैठक में मौजूद सभी लोगों ने इस बात कर समर्थन किया और कहा कि सवारी का ब्रह्मपुरी मार्ग से निकलने पर जोरदार स्वागत किया जाएगा।

'सच बेधड़क' ने उठाया था मुद्दा

परंपरा निर्वाह में 'अतिक्रमण': रूट बदले तो लौट सकता है वही दौर

संकरे रास्ते से फीका पड़ा तीज की सवारी का वैभव

■ गणगौरी गेट पर ही छोड़ना पड़ता है लवाजमा ■ चोगान स्टेडियम में पार्किंग बनने से मेले की जगह नहीं

ब्रह्मपुरी के मुख्य मार्ग से निकले सवारी!

माता पार्वती का साक्षात रूप है तीज माता

16 जुलाई को प्रकाशित खबर

> रियासतकाल से तीज माता की सवारी शाही ठाठ से निकल रही है। सिटी पैलेस से छोटी चौपड़ तक तो सवारी की भव्यता बनी रहती है, लेकिन गणगौरी गेट के बाद अतिक्रमण से सवारी निकालने में परेशानी आती है। टूटे रास्ते और चारों तरफ गंदगी के माहौल में माताजी को ले जाया जाता है। ऐसे में हमारी संस्कृति और सभ्यता की पहचान धूमिल हो रही है। सवारी का मार्ग बह्मपुरी से किया जाए तो आमजन को भी सवारी देखने का अधिक अवसर प्राप्त होगा।
>
> **भवानी शंकर शर्मा**, सामाजिक कार्यकर्ता

> निगम प्रशासन और जिला कलेक्टर से मिल मार्ग के परिवर्तन को लेकर मांग करेंगे। यह सनातन धर्म की आस्था से जुड़ा है। सवारी की शुचिता बनाना हम सबका कर्तव्य है। लोगों का जन समर्थन मिल रहा है। मार्ग परिवर्तित होना चाहिए। इसके लिए समिति बनाकर आगामी रणनीति तैयार की जाएगी।
>
> **कैलाश महावर**, पूर्व पार्षद व चेयरमैन नगर निगम

> तीज माता की सवारी के मार्ग पर निगम अधिकरियों की अनदेखी से जगह-जगह पर अतिक्रमण हो गए। ब्रह्मपुरी क्षेत्र से वर्षों से भगवान गणेश जी की विशाल शोभायात्रा भी निकल रही है। इसका व्यापार मंडल धूमधाम से स्वागत करते हैं। चौड़ी सड़क होने के कारण भारी लवाजमा भी आसानी से निकल जाता है। सवारी का मार्ग परिवर्तित होना चाहिए।
>
> **विनय शर्मा**, अध्यक्ष गणगौरी बाजार व्यापार मण्डल

> तीज माता के सवारी में कई कलाकार भी अपना हैरतअंगेज प्रदर्शन दिखाते हैं। रास्ता संकरा होने से वंचित रह जाते है। देशी-विदेशी पर्यटक इन्हें देखने आते हैं। ब्रह्मपुरी मार्ग काफी चौड़ा है, जिसमें लवाजमे को भी दिक्कत नहीं आएगी। सरकार को इसके लिए सोचना चाहिए।
>
> **गुरु सुमेर सिंह**, बलवंत व्यायामशाला, चौ. स्टेडियम

> शाही सवारी की भव्यता बनी रहे, इसके लिए मार्ग में परिवर्तित करना आवश्यक है। अतिक्रमण से रास्ते संकरे हो गए। प्रशासन से मांग करते हैं कि लोगों की आस्था को देखते हुए आगामी तीज माता की सवारी को ब्रह्मपुरी से होकर तालकटोरा की ओर ले जाया जाएं। हम सभी समाजबंधु भगवान गणेश जी की शोभायात्रा की तरह धूमधाम से इसका स्वागत करेंगे।
>
> **नारायण पहलवान**, लंगर के बालाजी

जरूरी खबर

कांग्रेसियों ने गांधी पार्क में किया मौन सत्याग्रह

चौमूं। कांग्रेस के राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की ओर से प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सी.बी.यादव के नेतृत्व में चौमूं के संजय गांधी पार्क में मौन सत्याग्रह किया गया। दोपहर 12 से 3 तक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूरी तरह मौन रखकर गांधीवादी तरीके से राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द किए जाने का विरोध जताया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता हाथों पर काली पट्टी बांधकर बैठे। कई पोस्टरों में मोदी-अडाणी रिश्ते पर सवाल खड़ा किया गया। कार्यकर्ता लगातार चरखे से सूत कात रहे थे।

रेड क्रॉस सोसायटी बैठक में शामिल होंगे प्रदेश प्रतिनिधि

कोटा। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी की वार्षिक साधारण सभा दिल्ली में सोमवार 17 जुलाई को राष्ट्रपति भवन में आयोजित की जा रही है। राजस्थान से प्रतिनिधि के रूप में इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी के स्टेट चेयरमैन राजेश कृष्ण बिरला सहित 15 सदस्य टीम बैठक में हिस्सा लेंगी। वार्षिक साधारण सभा में स्टेट वाईस चेयरमैन विजय खत्री जयपुर व कोटा शहर से निदेशक जगदीश जिंदल,महेन्द्र शर्मा व राजेन्द्र जैन भी शामिल रहेंगे। बिरला ने बताया कि राज्य की विभिन्न मांगों को सभा में पटल पर रखा जाएगा। इस दौरान प्रत्येक चेयरमैन वर्षभर रेडक्रॉस के माध्यम से की गई गतिविधियों के बारे में बताएंगे।

शराब के नशे में धुत्त मिला ड्यूटी पर तैनात कांस्टेबल

अजमेर। जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में ड्यूटी पर तैनात पुलिस कांस्टेबल शराब के नशे में धुत्त मिला। कांस्टेबल ने मीडियाकर्मियों से दुर्व्यवहार तक कर डाला। पुलिस कप्तान चूनाराम जाट से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यदि कोई शराब के नशे में है तो उसका मेडिकल करवाकर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय की वैन में ड्यूटी करने वाला कांस्टेबल राजकुमार शराब के नशे में धुत्त होकर बैठा था। मीडिया कर्मियों ने कवरेज करना चाहा तो वह उनसे उलझ गया। इंचार्ज महावीर सिंह ने भी माना कि कांस्टेबल राजकुमार शराब पीकर ड्यूटी पर आया था।

माधो सागर बांध क्षेत्र में एनीकट बनाकर रोकी पानी की राह, बाधाओं के चलते कई वर्षों से नहीं आया पानी

अवरोधों ने बांध को सुखाया, कई गांवों की बुझ सकती है प्यास

बेधड़क | सिकराय

कभी दो जिलों के गांवों की प्यास बुझाने वाला दौसा और करौली जिले का प्रसिद्ध माधो सागर बांध पिछले कई वर्षों से पानी नहीं होने के कारण खुद की प्यास तक नहीं बुझा पा रहा है।

माधो सागर बांध घूमना दो जिलों की कई तहसीलों के गांवों की प्यास बुझाता था, जो अब खुद पानी के लिए तरस रहा। घूमना बांध पानी के अभाव में अपनी पहचान खो रहा है। इससे लोगों में भारी आक्रोश है। बांध में पानी नहीं होने को लेकर कई बार प्रशासन के अधिकारियों को लोगों की ओर से ज्ञापन भी दिए गए। वहीं राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने भी पैदल कूच कर बांध में पानी लाने की मांग की थी। क्षेत्र में बारिश का दौर भी शुरू हो गया, लेकिन सिकराय उपखंड का सबसे बड़ा माधो सागर बांध घूमना अभी भी रीता ही पड़ा हुआ है।

इलाके में अच्छी बारिश होने के बावजूद बांध में पानी की आवक नहीं हुई है। इसका मुख्य कारण बांध में आने वाले पानी को जगह-जगह एनीकट बनाकर रोक दिया गया है। वही मोरोली बांध से आने वाले पानी का भी बंटवारा कर दिया है। इसके कारण भी पानी बांध में नहीं आ पाता है। दरअसल इस बांध में पहाड़ी का पानी आता है, लेकिन

बीते कई वर्षों में अवरोधकों के कारण पानी नहीं आ पा रहा है। वहीं दूसरा बड़ा कारण बारिश की कमी भी है। क्षेत्र में पिछले कई सालों से अच्छी बारिश नहीं हुई है। ऐसे में बांध पिछले कई वर्षों से खाली पड़ा हुआ है। इस बार बिपरजॉय तूफान के असर से मानसून सीजन चालू होते ही बरसात भी शुरू हो गई थी। मानसून की शुरुआत ठीक-ठाक रही, लेकिन बांधों में पानी की आवक नहीं हुई।

किस वर्ष में कितना भरा बांध

वर्ष	बांध में भराव
2010	01 फीट
2011	08 फीट 11 इंच
2012	12 फीट 9 इंच
2013	10 फिट
2014	11 फीट 6 इंच
2015	06 फिट
2016	14 फीट 8 इंच
2017	खाली
2018	8 फीट 6 इंच
2019	7 फीट
2020	9 फीट
2021	10 फीट
2022	12 फीट

रियासत काल में हुआ था निर्माण

घूमना गांव की पहाड़ियों के बीच स्थित माधो सागर बांध इन दिनों पानी के लिए तरस रहा है।। इस बांध का निर्माण रियासत काल में 1887 ई में किया गया था। बांध जिला मुख्यालय दौसा से 48 किलोमीटर तथा सिकराय तहसील के दक्षिण दिशा में 8 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। माधो सागर बांध का स्वतंत्र जल ग्रहण क्षेत्र 26 वर्ग मील हैं। बांध में पानी नहीं होने के कारण कृषि योग्य करीब 2586 हेक्टर भूमि की सिंचाई प्रभावित हो गई है। सिंचाई विभाग के आंकड़ों के अनुसार 1887 में 725 बीघा भूमि में बने माधो सागर बांध कि कुल 35 फीट 798 मिली घनफिट पानी भरने की क्षमता है। इस बांध का केचमेंट एरिया कम होने से 1902 में राणोली नदी पर मोरोली बांध बनाकर इसका पानी माधो सागर बांध में लाया गया था। इस बांध से दो नहरें भी निकलती है।

बाढ़ का खतरा बरकरार: इंदिरा गांधी नहर में छोड़ा जा रहा पानी

घग्घर नदी में पानी की आवक तेज, अगले 72 घंटे क्रिटिकल

बेधड़क | हनुमानगढ़

घग्घर नदी में पानी की आवक से अब भी जिले में बाढ़ का खतरा बरकरार है। रविवार को जिला कलेक्टर रुकमणि रियार सिहाग ने प्रेसवार्ता कर मीडिया को घग्घर नदी के हालात को लेकर जानकारी दी। कलेक्टर ने बताया कि अगले 72 घंटे बहुत क्रिटिकल हैं। इससे सबको सतर्क रहने की जरूरत है। घग्घर क्षेत्र में बढ़ रहे अतिक्रमण को लेकर किए गए सवाल के जवाब में कलेक्टर ने कहा कि पीछे की गलतियों को सुधारने का अभी वक्त नहीं है।

अभी किसी भी तरह जिले को संभावित बाढ़ के खतरे से बचाने की योजना पर हम काम कर रहे हैं। उधर घग्घर नदी के राजस्थान भाग में पानी का बहाव लगातार तेज हो रहा है। इससे बाढ़ का खतरा अब भी बना हुआ है। इससे हर वर्ग में बेचैनी है। रविवार को गुल्लाचिक्का हेड पर पानी की मात्रा में कुछ कमी आई, लेकिन ओटू से राजस्थान के लिए पानी की मात्रा लगातार बढ़ाई जा रही है। गुल्लाचिक्का हेड पर

52060, खनौरी 15375, ओटू हेड से 26300 क्यूसेक पानी प्रवाहित किया गया। इससे नाली बेड में अब 4800, जीडीसी में 12200 क्यूसेक पानी चलाया जा रहा है। इस बीच रविवार को भी पानी बढ़ने का क्रम जारी रहने पर एहतियात बरती जा रही है।

अफसर दिन-रात मशीनें लगाकर हेडों की स्थिति सुधारने का प्रयास कर रहे हैं। जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता अमरजीत सिंह मेहरड़ा, एक्सईएन सुरेश सुथार, रामाकिशन सहित अन्य अधिकारियों की टीम रविवार को भी हेडों के आस-पास मौजूद रही।

घग्घर नदी में पानी का दबाव कम करने के लिए शनिवार सुबह इंदिरागांधी नहर के आरडी 629 तथा जीडीसी के जीरो आरडी के बीच में बने हेड के सभी गेट खोल दिए गए। इसके बाद यहां से नहर में पानी डाला जा रहा है। इससे घग्घर नदी में पानी का दबाव कुछ कम होने की संभावना है।

अभियंता को किया निलंबित

बाढ़ के हालातों के बीच प्रशासन लगातार राहत कार्यों में जुटा है। राहत कार्य में लापरवाही पर एक अभियंता को निलंबित कर दिया गया है। सिंचाई विभाग के एक अभियंता ने पानी को लेकर भ्रम फैला दिया। कार्य में लापरवाही बरतने तथा नकारात्मक प्रचार के चलते मुख्य अभियंता अमरजीत सिंह मेहरड़ा ने कनिष्ठ अभियंता कृष्ण कस्वा को निलंबित कर दिया। निलंबित कनिष्ठ अभियंता के खिलाफ कारवाई की गई है। मुख्य अभियंता ने नहर व घग्घर नदी के हेडों की निगरानी के लिए तैनात किए गए अभियंताओं को सतर्क होकर कार्य करने की नसीहत दी है, ताकि संभावित बाढ़ के खतरे को टाला जा सके।

प्रशासन ने 55 राहत केंद्र बनाए

जिले में कुल 55 राहत केंद्रों को चिह्नित किया गया है। इसमें अति संवेदनशील क्षेत्रों के लिए 33 राहत केंद्रों में व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से शुरू कर दिया गया है। वहां लोगों को शिफ्ट भी किया जा रहा है। परिवहन विभाग की ओर से लोगों को शिफ्ट करने के लिए बसें भी अनुबंधित की गई है। इंदिरागांधी नहर के आरडी 629 तथा जीडीसी के जीरो आरडी के बीच में बने हेड़ के आस-पास दो दिनों से बेवजह लोगों की भीड़ नजर आ रही थी। इससे हेड के गेटों की सफाई का कार्य प्रभावित हो रहा था। भारी मशीनें चलने से हादसे का डर भी था। पुलिस व प्रशासन ने सख्ती करते हुए टिब्बी में जीरो आरडी पर लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी। इसके चलते रविवार को जीरो आरडी पर अधिकारी कर्मचारी व सफाईकर्मियों के अलावा अन्य कोई नजर नहीं आया। यहां पुलिस का जाप्ता भी बढ़ाया गया है।

तीसरा साथी गंभीर घायल

एक ट्रक ने मारी युवकों को टक्कर दूसरे ने कुचला, दो की मौत

बेधड़क | पाली

जिले में रविवार तड़के दर्दनाक हादसे में रामदेवरा जा रहे दो जातरुओं की मौत हो गई। वहीं एक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को पाली के बांगड़ हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया। हादसे के बाद वाहन चालक फरार हो गया। हादसा इतना भीषणा था कि दोनों के शव के चीथड़े उड़ गए। गुड़ा एंदला थाने के एसएचओ प्रेमाराम ने बताया कि हादसा हाइवे पर गुंदोज रोड महाराज होटल के पास सुबह करीब चार बजे हुआ। सूचना मिलने पर गुंदोज चौकी प्रभारी उमराव खान जाप्ते सहित मौके पर पहुंचे। इधर सदर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी और एक गंभीर घायल था।

दोनों मृतकों के शव बांगड़ हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाए हैं तथा उनके परिजनों को सूचना दी गई है। गुंदोज चौकी प्रभारी उमराव खान ने बताया कि मृतकों की पहचान गुजरात के मेहसाणा वडनगर (कईपुर) निवासी 27 वर्षीय अर्जुन पुत्र दादूजी

ठाकुर और 19 वर्षीय सचिन पुत्र दीवानजी ठाकुर के रूप में हुई। हादसे में मेहसाणा वडनगर (कईपुर) निवासी 20 वर्षीय सचिन पुत्र कड़वाजी ठाकुर गंभीर घायल हो गया। तीनों एक ही गांव के हैं और गुजरात के बीजापुर में एक हॉस्पिटल में जॉब करते थे।

सचिन ने बताया शनिवार शाम करीब 4 बजे वे तीनों एक बाइक पर रामदेवरा दर्शन के लिए रवाना हुए थे। टॉयलेट के लिए हाइवे पर महाराज होटल के पास रुके थे। सड़क किनारे बाइक खड़ी कर उतर ही रहे थे कि पीछे से आ रहे ट्रक ने नीचे गिरा दिया। उसके बाद दूसरा ट्रक ऊपर से निकल गया। हादसे में मेरे हाथ-पैर टूट गए। लेकिन दोनों दोस्तों को नहीं बचा सका। उनकी बॉडी के टुकड़े मेरे आस-पास बिखरे पड़े थे और मैं रोने के अलावा कुछ नहीं कर सका।

102वां स्थापना दिवस मनाया, रंगकर्मी व इतिहासकार हुए शामिल

लौटाएंगे भवानी नाट्यशाला का वैभव

बेधड़क | कोटा

पर्यटन विकास समिति की ओर से स्थानीय भवानी नाट्यशाला का 102वां स्थापना दिवस रविवार को मनाया गया। इसके लिए नाट्यशाला परिसर में शहर के गई गणमान्य लोग एकत्र हुए। इस मौके पर नाट्यशाला के इतिहास से लेकर वर्तमान में इसके महत्व पर चर्चा की गई।

समिति अध्यक्ष दिनेश सक्सेना ने कहा कि नाट्यशाला की दुर्दशा 1980 से आरम्भ हुई। बाद में विभिन्न खेल संघों ने इसकी दुर्दशा को सुधारने के लम्बे प्रयास किए। इससे ही नाट्यशाला अस्तित्व बच पाया।

समिति संयोजक ओम पाठक ने कहा कि स्थानीय प्रशासन तथा पुरातत्त्व विभाग को आज तक इस विरासत को बचाने की चिंता नहीं है। इसलिए अब जन जागरण से इसका वैभव लौटाया जाएगा। समिति संयोजक ने कहा कि इस धरोहर को डाक टिकट व विश्व विरासत में लाने तथा पर्यटकों को इससे जोड़ने के प्रयास किए जाएंगे।

मुख्य वक्ता इतिहासकार ललित शर्मा ने कहा कि 1921 की इस धरोहर का स्थान आज भी विश्व रंगमंच की धरोहर के रूप में इतिहास में दर्ज है। यहां 1950 तक लगातार नाट्क खेले गए थे।

धरोहर की दुर्दशा पर ध्यान दे प्रशासन

सर्वेश्वरदत्त ने कहा कि इस धरोहर की उपेक्षा भारतीय संस्कृति का अपमान है। इसलिए प्रशासन को इस तरफ शीघ्र ध्यान देना चाहिए। समिति सचिव डॉ. अलीम बेग ने कहा कि आज के दौर में विद्यालयी बालकों को पर्यटन के रूप में इस नाट्यशाला का अवलोकन करवाना चाहिए। इस अवसर अनेक मीडिया कर्मियों सहित समिति कोषाध्यक्ष कन्हैयालाल कश्यप, लक्ष्मीकांत शर्मा, संग्रहालय के दीर्घा परिचायक अशोक शर्मा ने भी विचार व्यक्त किए। नाट्यशाला का अवलोकन कर इसकी दुर्दशा पर चिन्ता व्यक्त की।

नीमराणा इलाके की घटना

आपसी कहासुनी के बाद दोस्त को पीट-पीटकर उतार मौत के घाट

बेधड़क | अलवर

जिले के नीमराणा इलाके में एक दोस्त ने अपने ही दोस्त को पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। श्रावण मास के तहत कावड़ चढ़ाने के दौरान किसी बात को लेकर दोनों में कहासुनी हो गई। घटना शनिवार रात की बताई जा रही है। रविवार को नीमराणा थाने में मामला दर्ज कराया गया।

नीमराणा थाना प्रभारी श्रवण जोशी ने बताया कि मृतक के भाई लोकेश ने रिपोर्ट में बताया है कि श्रावण मास के तहत कावड़ लेने के बाद उसका भाई अनिल कुमार

अपने दोस्त राकेश के घर गया था।

इस दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। इस पर आरोपी राकेश ने अपनी पत्नी और दो बेटों के साथ अनिल कुमार पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। जब अनिल घर नही पहुंचा तो उसकी तलाश में लोकेश गांव में गया, जहां राकेश के घर से तेज-तेज आवाज आ रही थी। रिपोर्ट में बताया कि मौके पर देखा कि आरोपी और उसके परिजन अनिल की पिटाई कर रहे थे। इस पर घायल अनिल को अस्पताल लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आरोपी राकेश, उसकी पत्नी व दो बेटों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया है। नीमराणा थाना प्रभारी श्रवण जोशी ने बताया कि हत्या का मामला दर्ज कर लिया है, जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लाया जाएगा।

जोधपुर शर्मसार: जेएनवीयू के पुराने परिसर में गैंगरेप

मदद के बहाने प्रेमी युगल को ले गए साथ, बंधक बना युवती से गैंगरेप

बेधड़क | जोधपुर

जिले में रात को रुकने के लिए जगह तलाश कर रहे प्रेमी जोड़ों को तीन युवक बहला-फुसला कर मदद करने का भरोसा दे अपने साथ ले गए। बाद में आरोपियों ने जेएनवीयू के पुराने परिसर के खेल मैदान में युवक को बंधक बनाकर उसके सामने ही लड़की से गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया।

बाद में आरोपी दोनों को वहीं छोड़कर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 4 घंटे के अंदर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं पीड़िता के प्राथमिक उपचार के बाद उसकी काउंसलिंग की गई। डीसीपी पूर्व अमृता दुहन ने बताया कि अजमेर के ब्यावर से एक प्रेमी युगल घर से भागकर जोधपुर आए थे। यहां से वे अहमदाबाद जाने की तैयारी में थे। दोनों बस स्टैंड से बाहर आने के बाद होटल की तलाश कर रहे थे।

इधर-उधर भटकने के बाद रात करीब 12:30 बजे दोनों ने पावटा स्थित एक लॉज में कमरा ले लिया। वहां लॉज संचालक ने शराब के नशे में नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ की। इससे डरकर दोनों ने कमरा छोड़ दिया और फिर पावटा चौराहे पर आकर खड़े हो गए। इस दौरान जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले तीन युवकों ने दोनों को बहला-फुसलाकर दोस्ती की।

तीनों ने उन्हें विश्वास में लिया और मदद करने का झांसा दिया। इसके बाद आरोपियों ने दोनों को अपने साथ ले लिया और उन्हें खाना भी खिलाया।

झांसा देकर तीनों युवक प्रेमी जोड़े को ओल्ड कैंपस के हॉकी ग्राउंड में ले लाए। वहां तीनों आरोपियों ने लड़के को बंधक बनाकर उसके सामने नाबालिग लड़की के साथ गैंगरेप किया। सुबह करीब 5 बजे ग्राउंड में लोगों की आवाजाही देखकर आरोपियों ने बंधक बनाए हुए लड़के को छोड़ दिया और दोनों को मैदान में छोड़कर तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए। रविवार सुबह खेल मैदान पहुंचे एक युवक ने नाबालिग लड़की और उसके साथी को संदिग्ध हालत में देखा तो उसने आस-पास के लोगों को सूचना दी। इसके बाद जागरूक लोगों ने जेएनवीयू ओल्ड कैंपस पुलिस चौकी को सूचना दी। तुरंत पुलिस एक्टिव हुई।

वहीं डीसीपी और पुलिस कमिश्नर भी मौके पर पहुंचे और जानकारी ली।

CCTV से हुई आरोपियों की पहचान

घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी और हार्डकोर पुलिसिंग के आधार पर एक आरोपी की पहचान की गई। उसकी लोकेशन रातानाड़ा के गणेशपुरा में मिली। उन्हें पकड़ने के लिए पुलिस पहुंची तो तीनों आरोपी वहीं मिले। पुलिस को देख तीनों आरोपी पहाड़ी की तरफ भागने लगे। पुलिस ने पीछा किया तो आरोपी पहाड़ी से गिर गए। इससे दो आरोपियों के पांव में फ्रैक्चर हो गया। वहीं एक आरोपी के हाथ में चोट लगी। घटना के बाद आरोपियों को पुलिस ने हिरासत में लेकर हॉस्पिटल में इलाज करवाया। इसके बाद उन्हें बापर्दा गिरफ्तार किया गया। साथ ही नाबालिग से छेड़छाड़ करने वाले लॉज संचालक को भी गिरफ्तार किया गया है।

छात्र नेता का प्रचार करने आए थे आरोपी

डीसीपी दुहन ने बताया कि विश्वविद्यालय में पढ़ने वाला एक छात्र नेता अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा है। उसके समर्थक में प्रचार करने के लिए बाड़मेर से समंदर सिंह और भटम सिंह तथा जोधपुर से धर्मपाल सिंह आए हुए थे। छात्र नेता ने ही लड़कों के रुकने की व्यवस्था की थी। डीसीपी ने कहा कि गैंगरेप के तीनों आरोपियों सहित लॉज संचालक को भी गिरफ्तार किया गया है। उनके खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। जल्द से जल्द आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश किया जाएगा।

ब्यावर में कराया था मामला दर्ज

पुलिस ने बताया लड़की के पिता की मौत हो चुकी है। पिछले दिनों लड़की की सगाई हो गई थी। इसके चलते वह अपने प्रेमी के साथ घर से भागकर आ गई। लड़की के परिजनों ने अजमेर जिले के ब्यावर थाने में गुमशुदगी का मामला भी दर्ज करवाया था। पुलिस के अनुसार पीड़िता का मेडिकल और 164 में बयान करवाए जाएंगे। इसके बाद लड़की के भाई-भाभी को सौंपा जाएगा।

अध्ययन, बेहतर कॅरिअर, आर्थिक संपन्नता और भविष्य के सुखद स्वप्न के लिए..

- पढ़ाई यहां... नौकरी वहां
- विदेशी चकाचौंध से खींचे चले जा रहे हैं
- देश के लिए बन रहा है चिंता का सबब

परदेस पलायन

भारत की प्रतिभाएं देश-विदेश में अपना डंका बजा रही हैं। विश्व पटल पर राजनीति से लेकर तकनीकी महारथियों तक में भारतीयों का नाम लिया जा रहा है। देश का नाम गूंज रहा है, लेकिन इसका एक पहलू यह भी है कि प्रतिभाओं का पलायन जारी है। प्रतिभाएं देश को आगे बढ़ाने की बजाय विदेशों में अपना भविष्य खोज रही हैं। देश की नागरिकता छोड़कर विदेशी नागरिकता अपना रही हैं। शिक्षा हो या रोजगार परदेस का आकर्षण युवाओं की खींच रहा है।

हर साल एक लाख से ज्यादा भारतीय गए विदेश

एक अध्ययन की मानें तो भारत के लिए यह दुर्भाग्यपूर्ण एवं चिंता का विषय है कि यहां के लोग भारत की नागरिकता छोड़ रहे हैं। पिछले तीन साल से औसतन 358 लोग प्रतिदिन और प्रतिवर्ष लगभग 1 लाख 63 हजार लोग भारत की नागरिकता त्यागकर विदेशों में बस गए हैं। सवाल यह है कि ऐसा क्यों हो रहा है। 'ओपन डोर' संस्था की एक रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी कॉलेजों में दाखिला लेने वाले भारतीय छात्रों में पच्चीस फीसदी वृद्धि हुई। अमेरिकी अर्थव्यवस्था में उन्होंने बहुमूल्य योगदान दिया है। सिर्फ अमेरिका ही नहीं बल्कि पिछले कुछ साल में यूरोप और ऑस्ट्रेलिया जाने वाले छात्रों की संख्या में भी वृद्धि हुई है, जबकि इसी दौर में भारत में बड़ी संख्या में उच्च शिक्षण संस्थान और विश्वविद्यालय खुले हैं।

भारत में पढ़ना है सस्ता

भारत सरकार द्वारा एक प्रोजेक्ट डेस्टिनेशन इंडिया भी शुरू किया गया है, जिसके अंतर्गत विदेशी छात्रों की प्रवेश की प्रक्रिया को अत्यंत सरल सुगम बनाना है। इससे ज्यादा से ज्यादा छात्र भारत में पढ़कर डिग्री हासिल करें। अभी वर्तमान में भारत में आसियान देशों के निवासी छात्रों की संख्या लगभग सवा दो लाख के करीब है। मानव संसाधन विभाग इसे आगामी वर्षों में चार गुना करना चाहता है। वहीं भारत में आए छात्रों का पढ़ाई तथा खाने-पीने रहने का खर्च लगभग एक चौथाई होता है, फिर भी भारत के अभिभावक अपने बच्चों को विदेश भेजने में वरीयता देते हैं। भारत द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है कि भारत के विश्वविद्यालयों की शिक्षा की गुणवत्ता विदेशी स्तर पर हो, पर इसमें काफी समय लगने की गुंजाइश भी है।

भांति-भांति की प्रतिभाएं हैं

भारत में विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभावान व्यक्तियों की संख्या काफी है। इनमें वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ, साहित्य या कलाओं के विद्वान, चित्रकार, कलाकार, प्रशासनिक अधिकारी, डॉक्टर, सी.ए. आदि शामिल हैं। असाधारण प्रतिभा संपन्न ऐसे लोगों का अपने देश की प्रगति और समृद्धि में योगदान होना चाहिए, जबकि वे विदेशों में रहकर अपनी प्रतिभा का उन देशों को लाभ पहुंचा रहे हैं। यह भी संभव है कि कुछ एक लोगों को अपनी पसंद का काम नहीं मिलता हो, सामंजस्य नहीं बैठ पाता हो, लेकिन सभी के साथ ऐसा हो रहा है यह कहना उचित नहीं है। ऐसे में माना जाता है कि ये लोग बेहतर काम की खोज के लिए या अधिक भौतिक सुविधाओं के लिए दूसरे देशों में चले जाते हैं।

जाते हैं पढ़ने और लौटते ही नहीं

अध्ययन कहते हैं कि भारत से पलायन कर अमेरिका जाने वाले 44 प्रतिशत भारतीय वहां की नागरिकता हासिल कर वहीं बस जाते हैं। कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जाने वाले 33 प्रतिशत भारतीय भी ऐसा ही करते हैं। ब्रिटेन, सऊदी अरब, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, सिंगापुर आदि देशों में भी बड़ी संख्या में भारतीय बसे हैं। गृह मंत्रालय के अनुसार 1.25 करोड़ भारतीय नागरिक विदेश में रह रहे हैं, जिनमें 37 लाख लोग ओसीआई यानी ओवरसीज सिटिजनशिप ऑफ इंडिया कार्डधारक हैं। हालांकि इन्हें वोट देने, देश में चुनाव लड़ने, कृषि संपत्ति खरीदने या सरकारी कार्यालयों में काम करने का अधिकार नहीं होता है। पढ़ाई के लिए विदेश जाने वाले लोगों में से करीब 80 प्रतिशत लोग भारत नहीं लौटते हैं। कॅरियर की संभावनाओं को देखते हुए और अच्छे अवसर मिलने के कारण वे विदेश में बस जाते हैं।

समृद्ध इतिहास, वर्तमान बना चुनौती

विगत दो दशकों में प्रतिभा पलायन भारत के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। शिक्षा के क्षेत्र में बड़े शिक्षा संस्थानों में भारी-भरकम खर्च के बाद शिक्षित युवक विदेशों में अपनी सेवाएं प्रदान करने को सदैव तत्पर रहते हैं। इसका बड़ा कारण विदेशी मुद्रा की कमाई और विदेशी चकाचौंध के तरफ आकर्षण ही होता है। भारत के इतिहास पर नजर डालें तो नालंदा, तक्षशिला, शांति निकेतन और पाटलिपुत्र जैसे बड़े शिक्षा के केंद्र रहे हैं। सदैव अलग-अलग देशों से शिष्य शिक्षा प्राप्त करने भारत आते रहे हैं।

आईआईटीयंस भी पीछे नहीं

हाल ही में नेशनल ब्यूरो ऑफ इकोनॉमिक रिसर्च में प्रकाशित एक शोध निष्कर्ष के मुताबिक जेईई परीक्षा में टॉप-100 रैंकिंग वाले 62 बच्चे विदेश चले गए। टॉप-1000 रैंक पाने वालों में भी 36% ने आगे की पढ़ाई या काम के लिए विदेश को चुना। टॉप-10 रैंक हासिल करने वालों में से 9 ने विदेश का रुख किया। शोधकर्ताओं ने 2010 की जेईई परीक्षा के टॉप स्कोरर पर रिसर्च करके यह निष्कर्ष निकाला है। यानी इन बच्चों की पढ़ाई 2014-15 में पूरी हुई और उसके बाद वे विदेश रवाना हो गए। इस स्टडी में यह भी सामने आया कि आईआईटीयंन के विदेश जाने में एलुमनी नेटवर्क की भी बड़ी भूमिका है। इसके लिए अमेरिका के टॉप-55 कम्प्यूटर साइंस ग्रेजुएट प्रोग्राम में शामिल 2,400 फैकल्टी मेंबर्स का डेटा खंगाला गया। इनमें से 134 यानी करीब 6% फैकल्टी मेंबर भारत के किसी न किसी आईआईटी के पूर्व छात्र निकले। एलुमनी वाले संस्थानों में आईआईटी छात्रों के दाखिले की संभावना 30% ज्यादा देखी गई।

पलायन के ये हैं संभावित कारण

माना जाता है कि इसके पीछे सबसे अहम कारण आरक्षण प्रणाली है। इससे कई प्रतिभावान पर आरक्षित वर्ग में नहीं आने वाले युवाओं को प्रतिभा होने के बावजूद मौका नहीं मिल पाता है जबकि दूसरे वर्ग को इसका लाभ मिलता है। ऐसे में योग्य उम्मीदवारों को कम वेतन वाली नौकरी से संतुष्ट होना पड़ता है। योग्य व्यक्तियों के लिए ऐसा स्वाभाविक है जो अलग देश में अपनी प्रतिभा के समान नौकरी तलाशने के लिए वहां स्थानांतरित हो जाते हैं। इसके साथ ही वेतन पैकेजों का निर्णय लेने के लिए संगठन को निष्पक्ष होना चाहिए। एक ही स्तर पर काम कर रहे कर्मचारियों के वेतन पैकेज की बात करते समय ज्यादा बदलाव नहीं होने चाहिए। इसके अलावा वेतन पैकेज बाजार के मानकों के बराबर होना चाहिए नहीं तो कर्मचारी नौकरी छोड़ कर वहां चले जायेंगे जहाँ उन्हें योग्य पैकेज मिल जाएगा। कई बार ऐसा देखा जाता है कि अगर कोई कर्मचारी कड़ी मेहनत कर रहा है और नौकरी अच्छे तरीके से कर रहा है तो भी उसे पदोन्नति देते वक़्त ध्यान में नहीं रखा जाता और जो बॉस का पसंदीदा है वह आसानी से पदोन्नत हो जाता है बेशक वह मापदंडों पर खरा नहीं उतरता हो। इससे कर्मचारियों के बीच असंतोष का कारण बनता है और वे बेहतर अवसरों की तलाश करते हैं।

सरकार पर ही ना रहा जाए निर्भर

उच्च शिक्षा हो या रोजगार, इनके लिए सिर्फ सरकार पर ही निर्भर रहना उचित नहीं है बल्कि उद्योग और अकादमिक सहयोग से नई संस्थाएं स्थापित करना चाहिए और उनका स्तर बढ़ाया जाना चाहिए। आम नागरिक के पलायन को रोकने के लिए रोजगार के नए अवसर, भ्रष्टाचार मुक्त शासन व्यवस्था, सरल एवं सहज प्रशासनिक कार्यप्रणाली, व्यापार के लिये प्रोत्साहन योजना, उन पर तरह-तरह के कानून एवं नियमों को सरल करना आदि उपचार अपेक्षित है। इसके लिए आम नागरिकों को जागना होगा तो सरकारों को भी इस विषय पर गंभीर होना होगा।

मिलकर तलाशें समाधान...

भारत जैसे विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के तरीकों का उद्देश्य प्रतिभा पलायन की समस्या को नियंत्रित करना है। लोगों को इस समस्या को नियंत्रित करने के तरीकों को गंभीरता से लेना चाहिए तथा सरकार और संगठनों द्वारा कार्यान्वित किया जाना चाहिए। युवाओं का विदेशों में पलायन रोकने के लिए देश प्रेम की भावना जागृत करनी चाहिए। उन्हें सम्मानजनक वेतन और तरक्की मिलनी चाहिए। देश में भ्रष्टाचार और भाई भतीजावाद को समाप्त करना चाहिए क्योंकि इससे प्रतिभाशाली युवाओं के साथ भेदभाव होता है। युवाओं को देश में बढ़ने का अवसर और अच्छा जीवन स्तर देकर उनका विदेशों की तरफ पलायन को रोका जा सकता है।

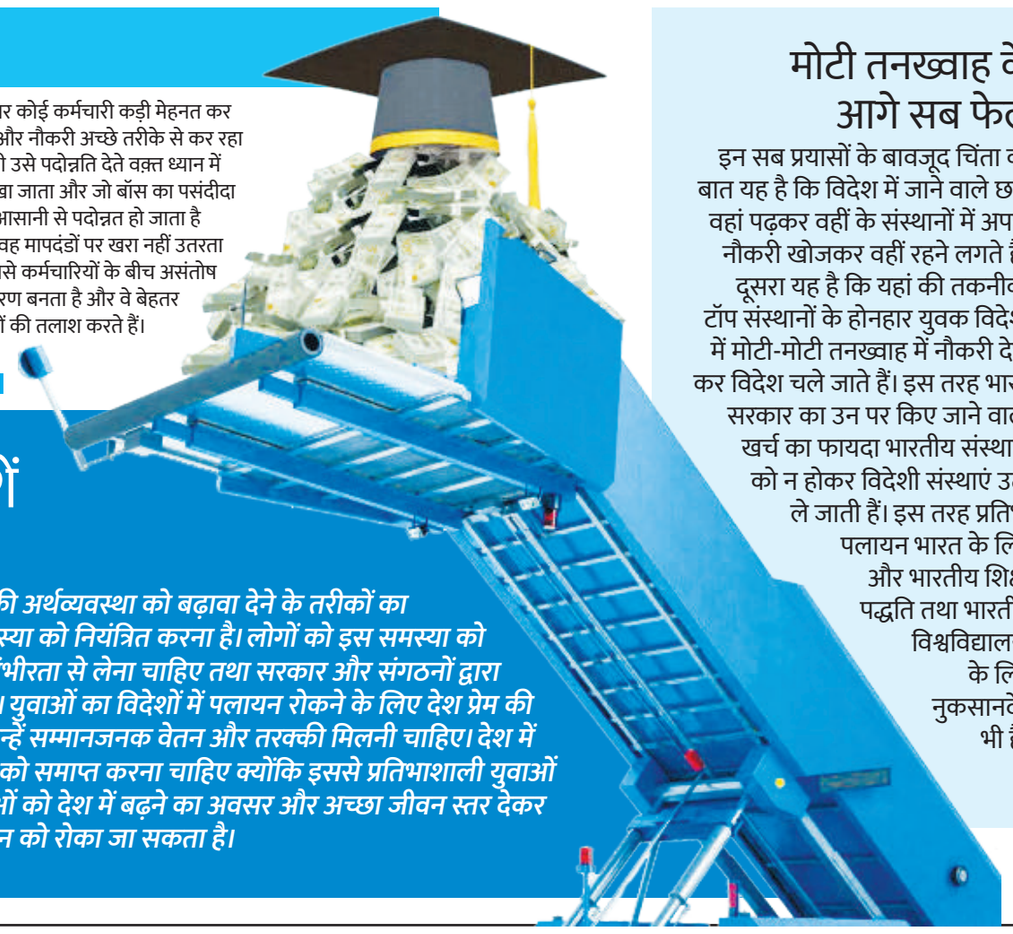

मोटी तनख्वाह के आगे सब फेल

इन सब प्रयासों के बावजूद चिंता की बात यह है कि विदेश में जाने वाले छात्र वहां पढ़कर वहीं के संस्थानों में अपनी नौकरी खोजकर वहीं रहने लगते हैं। दूसरा यह है कि यहां की तकनीकी टॉप संस्थानों के होनहार युवक विदेशों में मोटी-मोटी तनख्वाह में नौकरी देख कर विदेश चले जाते हैं। इस तरह भारत सरकार का उन पर किए जाने वाला खर्च का फायदा भारतीय संस्थानों को न होकर विदेशी संस्थाएं उठा ले जाती हैं। इस तरह प्रतिभा पलायन भारत के लिए और भारतीय शिक्षा पद्धति तथा भारतीय विश्वविद्यालयों के लिए नुकसानदेह भी है।

कन्टेंट/ डिजाइन : अजय कुमार शर्मा/विमल सिंह तंवर

अमेरिकी मैगजीन 'फॉरेन पॉलिसी' का नजरिया

मध्य-पूर्व में बिग प्लेयर भारत

अरविंद जयतिलक
स्वतंत्र टिप्पणीकार

भारत के लिए गौरव का क्षण है कि अमेरिकी मैगजीन 'फॉरेन पॉलिसी' के एक आलेख में भारत को पश्चिम एशिया (मध्य-पूर्व) का एक बड़ा पॉवर प्लेयर कहा गया है। आलेख के लेखक कुक ने रेखांकित किया है कि भारत का न सिर्फ इस्राइल बल्कि सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के साथ गहरे रिश्ते स्थापित हो रहे हैं। उन्होंने लिखा है कि इस इलाके में भारत के बढ़ते कद से अब यहां रूस और चीन का हावी होना मुश्किल है। अब अमेरिका को चाहिए कि वह इस क्षेत्र में भारत की भूमिका को चीन के साथ पावर कॉम्पिटिशन के तौर पर देखे। साथ ही भी यह भी उद्घाटित किया है कि बदल रहे वर्ल्ड ऑर्डर में भारत की जगह बदल रही है और अब अमेरिका इस नए पैटर्न को लेकर ज्यादा कुछ नहीं कर सकता। इसलिए कि पश्चिम एशिया में अब अमेरिका के साथी देशों के लिए भारत भी एक सशक्त व शानदार विकल्प बन चुका है।

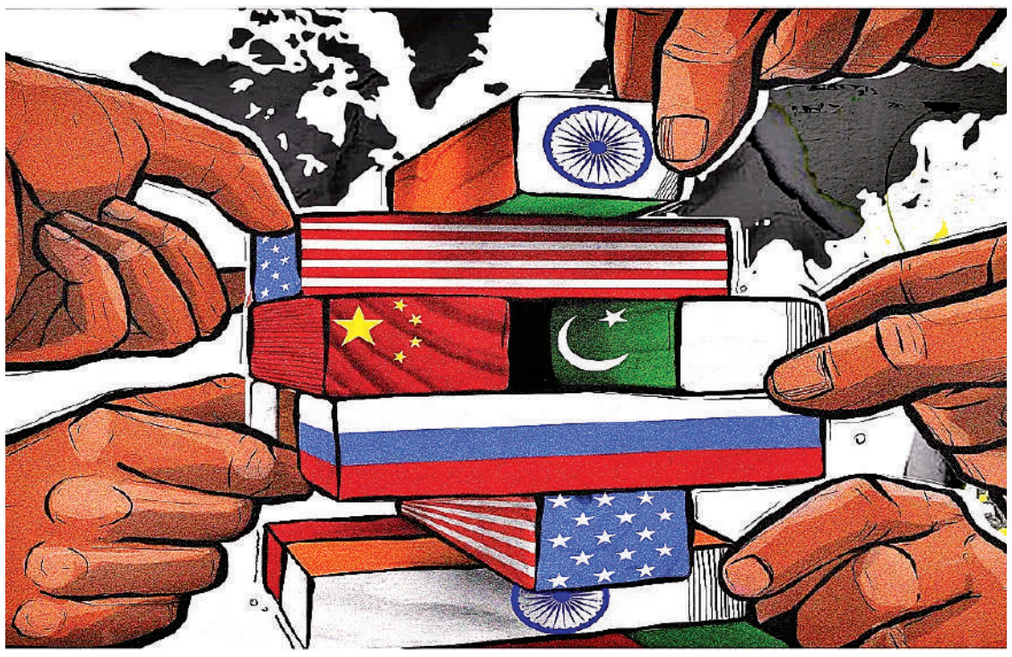

हम कच्चे तेल की अपनी आवश्यकता का लगभग 15 से 19 प्रतिशत सऊदी अरब से आयात करते हैं। इस निर्भरता को बनाए रखने के लिए दोनों देशों के बीच रिश्तों में लगातार मजबूती आ रही है। गत वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कतर की यात्रा कर 'पश्चिम की ओर देखो' की कूटनीति को एक नया आयाम दिया। कतर विश्व का सबसे बड़ा तरल प्राकृतिक गैस (एनएनपी) का निर्यातक है। भारत इस तथ्य से अच्छी तरह अवगत है कि उच्च वृद्धि दर बनाए रखने के लिए ऊर्जा सुरक्षा बेहद आवश्यक है।

> *भारत का संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ भी बेहतर संबंध हैं। याद होगा गत वर्ष पहले संयुक्त अरब अमीरात के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन जायद अल नहयान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यूएई के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ जायद' से नवाजा। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को भाई भी बताया जो कि दोनों देशों के परवान चढ़ते रिश्ते को रेखांकित करने के लिए पर्याप्त है। प्रधानमंत्री मोदी को लेकर यूएई के दिल में कितना सम्मान है, वह 2018 में मोदी की संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा के दौरान देखने को मिला जब यूएई ने दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा समेत दुबई फ्रेम, एडनॉक बिल्डिंग एवं एमिरेट्स पैलेस को तिरंगे के रंग से रंग दिया था।*

भारत के तकरीबन 18 देशों मसलन इजराइल, फिलिस्तीन, आर्मेनिया, अजरबैजान, बहरीन, साइप्रस, जॉर्जिया, इराक, ईरान, जॉर्डन, कुवैत, लेबनान, ओमान, कतर, सऊदी अरब, सीरिया, तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात और यमन के साथ भारत की प्रगाढ़ता बढ़ रही है। उससे रिश्तों में मिठास घुलना लाजिमी है।

विचार करें तो पश्चिम एशिया के साथ भारत का ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंध रहा है। इस क्षेत्र के तकरीबन 8 मिलियन भारतीय नागरिक यहां की अर्थव्यवस्था और विकास के महत्वपूर्ण कारक हैं। यह क्षेत्र भारत के विदेश नीति के रक्षा संबंधित पहलुओं को भी प्रभावित करता है। साथ ही इस क्षेत्र में नए क्षेत्रीय कूटनीतिक-आर्थिक संबंध तेजी से बनते-बिगड़ते रहते हैं। चूंकि इस क्षेत्र में भारतीयों के अलावा चीन और पाकिस्तान के नागरिक भी भारी तादाद में रहते हैं। लिहाजा भारत के लिए इस क्षेत्र में अपना वर्चस्व बढ़ाना कूटनीतिक और सामरिक दोनों लिहाज से जरूरी है। पश्चिम एशिया में भारत का हित केवल तेल और गैस तक ही सीमित नहीं है। भारत के लिए इस क्षेत्र में राजनीतिक स्थिरता बनाए रखने और अपने घरेलू निर्यात को प्रोत्साहित करना भी शीर्ष प्राथमिकता में है। इस क्षेत्र में मुख्य रूप से इजराइल, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, ईरान और कतर मुख्य रूप से आर्थिक व सामरिक शक्तिशाली देश हैं, जिनके साथ भारत के संबंध प्रगाढ़ होना आवश्यक है।

अच्छी बात है हाल के वर्षों में इन देशों के साथ भारत के संबध बेहतर हुए हैं। इजराइल की बात करें तो दोनों देश उपनिवेशवाद के परवर्ती युग की उपज हैं। दोनों ही अपने शत्रुभाव रखने वाले पड़ोसी देशों से पीड़ित हैं। ऐसे में दोनों देश प्रतिरक्षा और आर्थिक संबंधों को लगातार गति दे रहे हैं। गत वर्ष भारत की यात्रा पर आए इजरायली राष्ट्रपति रिवलिन ने भारत का समर्थन करते हुए कहा कि वह सिर्फ मेक इन इंडिया ही नहीं बल्कि मेक विथ इंडिया के लिए भी तैयार हैं। भारत और इजराइल दोनों प्रतिरक्षा के क्षेत्र में संभावनाओं को मूर्त रूप दे रहे हैं। आज की तारीख में भारत इजराइली हथियारों का सबसे बड़ा खरीदार देश है। भारत रक्षा हार्डवेयर के आयात में विश्व के सबसे बड़े आयातकों में से एक है, जबकि इजराइल इसका एक प्रमुख निर्यातक है। रक्षा विशेषज्ञों की मानें तो आने वाले वर्षों में इजराइल भारत को रक्षा आपूर्ति में रूस को पीछे छोड़ देगा। उसका कारण यह है कि इजराइल के पास अधिकांशतः रूसी रक्षा उपकरणों को उन्नत करने की तकनीकी उपलब्ध है। आज इजराइल उच्च तकनीक वाले रक्षा उपकरणों के आपूर्तिकर्ता के रूप में स्वयं को एक बड़े विकल्प के रूप में उभार लिया है। भारत का संयुक्त अरब अमीरात के साथ भी बेहतर संबंध हैं।

याद होगा गत वर्ष पहले संयुक्त अरब अमीरात के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन जायद अल नहयान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यूएई के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ जायद' से नवाजा। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को भाई भी बताया जो कि दोनों देशों के परवान चढ़ते रिश्ते को रेखांकित करने के लिए पर्याप्त है। प्रधानमंत्री मोदी को लेकर यूएई के दिल में कितना सम्मान है, वह 2018 में मोदी की संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा के दौरान देखने को मिला, जब यूएई ने दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा समेत दुबई फ्रेम, एडनॉक बिल्डिंग एवं एमिरेट्स पैलेस को तिरंगे के रंग से रंग दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अबूधाबी में व्यापार जगत के प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाने का मकसद स्पष्ट करते हुए वहां निवेश करने को प्रेरित किया। साथ ही प्रधानमंत्री ने भारतीय रुपे कार्ड को लॉन्च किया। इस तरह पश्चिम एशिया में यूएई पहला देश बन गया है, जहां रुपे कार्ड चल रहा है। गौर करें तो दोनों देशों के बीच बढ़ती प्रगाढ़ता कई मायने में महत्वपूर्ण है। हाल के वर्षों में भारत का ईरान के साथ भी बेहतर संबंध स्थापित हुआ है। ईरान विश्व में तेल एवं गैस के व्यापक भंडारों वाले देशों में से एक है। मौजूदा समय में भारत को अपनी सकल घरेलू उत्पाद की दर 8-9 प्रतिशत बनाए रखने के लिए ऊर्जा की सख्त आवश्यकता है। इसे ईरान पूरा कर रहा है। दूसरी ओर भारत भी ईरान को जरूरत की वस्तुएं उपलब्ध कराने की वचनबद्धता को निभा रहा है।

चाबहार समझौते के आकार लेने से अब भारत द्वारा ईरान को निर्यात की जा रही वस्तुएं मसलन चावल, मशीनें एवं उपकरण, धातुओं के उत्पाद, प्राथमिक और अर्द्धनिर्मित लोहा, औषधियों एवं उत्तम रसायन, धागे, कपड़े, चाय, कृषि रसायन एवं रबड़ इत्यादि में तेजी आई है। दोनों देश आर्थिक गतिविधियों को रफ्तार देने के लिए कई परियोजनाओं को आकार दे रहे हैं। इनमें ईरान-पाकिस्तान-इंडिया गैस पाइप लाइन परियोजना, एलएनजी की पांच मिलियन टन की दीर्घकालीन वार्षिक आपूर्ति, फारसी तेल एवं गैस प्रखंड का विकास, दक्षिण पार्श गैस क्षेत्र और एनएनजी परियोजना विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। ईरान-पाकिस्तान-भारत गैस पाइप लाइन को लेकर कई बार त्रिपक्षीय बैठकें हो चुकी हैं। हाल के वर्षों में भारत और सऊदी अरब दोनों का एकदूसरे पर भरोसा बढ़ा है। अब दोनों देश पुरानी धारणाओं के खोल से बाहर निकलकर संबंधों को एक नया आयाम दे रहे हैं। सऊदी अरब भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापार साझीदार देश बन चुका है। ऊर्जा के एक बड़े स्रोत के रूप में भी सऊदी अरब भारत के लिए मुफीद है। ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों का एक महत्वपूर्ण आयाम है और दोनों पक्ष युक्तिसंगत ऊर्जा भागीदारी की दिशा में कार्यरत हैं।

इसमें सऊदी अरब द्वारा भारत को निरंतर कच्चे तेल की दीर्घकालीन आपूर्ति उसके ऊर्जा की बढ़ती आवश्यकताओं की आपूर्ति सम्मिलित है। भारत और सऊदी अरब के ऊपरी धारा और निचली धारा के तेल और गैस क्षेत्रों में सहयोग और संयुक्त उद्यम एवं गैस आधारित उर्वरक संयंत्र के भारत और सऊदी के बीच संयुक्त उद्यम को स्थापना इत्यादि सम्मिलित है। इसके अलावा तथ्य यह भी है कि हम कच्चे तेल की अपनी आवश्यकता का लगभग 15 से 19 प्रतिशत सऊदी अरब से आयात करते हैं। इस निर्भरता को बनाए रखने के लिए दोनों देशों के बीच रिश्तों में लगातार मजबूती आ रही है। गत वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कतर की यात्रा कर 'पश्चिम की ओर देखो' की कूटनीति को एक नया आयाम दिया। कतर विश्व का सबसे बड़ा तरल प्राकृतिक गैस (एनएनपी) का निर्यातक है।

भारत इस तथ्य से अच्छी तरह अवगत है कि उच्च वृद्धि दर बनाए रखने के लिए ऊर्जा सुरक्षा बेहद आवश्यक है। भारत की इस आवश्यकता की पूर्ति कतर ही कर सकता है। जानना आवश्यक है कि कतर के साथ भारत का दीर्घावधि समझौता है। इसके तहत वह भारत को प्रतिवर्ष 7.5 मिलियन टन तरल प्राकृतिक गैस उपलब्ध कराता है। इसी तरह भारत का पश्चिम एशिया के अन्य देशों के साथ भी रिश्ते प्रगाढ़ हुए हैं। ऐसे में अमेरिकी मैगजीन 'फॉरेन पॉलिसी' में लेखक कुक द्वारा पश्चिम एशिया में भारती की बढ़ती धमक को स्वीकारना उचित ही है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

नॉलेज कॉर्नर: प्रत्येक मंदिर में शिव के अलग रूप की होती है पूजा

शिवशंकर के 5 मंदिरों का समूह 'पंचकेदार'

उत्तराखंड राज्य जो देव भूमि के नाम से जाना जाता है। जैसा कि नाम से ही पता चलता है, इस राज्य में अनेकों मंदिर हैं। भारत के छोटे चार धामों से लेकर माता के कई मंदिर इस राज्य में स्थित हैं। यही कारण है कि इसे देव भूमि के नाम से जाना जाता है। मां गंगा से लेकर भगवान शिव के अनेक रूपों की पूजा यहीं की जाती है। वर्ष के 6 माह केदारनाथ और बद्रीनाथ मंदिर के कपाट खुलते और बंद होते हैं। इस दौरान देशभर से लाखों श्रद्धालु दर्शन को यहां पहुंचते हैं। इन सभी मंदिरों के अलावा उत्तराखंड में भगवान शिव के ऐसे पांच मंदिर भी हैं, जिन्हें पंचकेदार के नाम से जाना जाता है। पंचकेदार के बारे में विस्तृत जानते हैं आज के नॉलेज कॉर्नर में...

पंचकेदार में शामिल ये मंदिर

पंचकेदार में शामिल सभी मंदिरों तथा इनसे जुड़ी किंवदंतियों के बारे में जानने से पहले पंचकेदार क्या है उसे जानना बेहद जरूरी है। इन पांच मंदिरों के नाम केदारनाथ, तुंगनाथ, रुद्रनाथ, मध्यमहेश्वर तथा कल्पेश्वर है। हालांकि केदारनाथ के बारे में लगभग हर व्यक्ति ज्ञान है, लेकिन शेष चार मंदिर को लेकर कम ही लोग जानते हैं। दरअसल पंचकेदार हिंदुओं के पांच शिव मंदिरों का सामूहिक नाम है। इन्हें पांच केदार भी कहा जाता है। पंचकेदार उत्तराखंड राज्य के गढ़वाल क्षेत्र में स्थित है। इनसे जुड़ी कई पौराणिक किंवदंतियां प्रचलित हैं। कहा जाता है कि इन मंदिरों का निर्माण पांडवों ने किया था। कुमाऊ और गढ़वाल में बसे ये मंदिर अडिग विश्वास के प्रतीक हैं। इन्हें केदारनाथ की अन्य चार पीठों और नव केदार के नाम से भी जाना जाता है। पंचकेदार असीम प्राकृतिक सौंदर्य का उदाहरण है।

जीवित ज्योतिर्लिंग

सनातन हिंदू संस्कृति का संदेश देने वाले इन मंदिरों में सदियों से श्रद्धालु आ रहे हैं। इनमें प्रथम स्थान पर आने वाला केदारनाथ मंदिर समुद्र तल से 3583 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक प्रमुख ज्योतिर्लिंग है। इसे जीवित ज्योतिर्लिंग भी कहा जाता है। तुंगनाथ शिव मंदिर, जो कि समुद्र तल से 3680 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। इसके अलावा मध्य महेश्वर मंदिर समुद्र तल से 3850 मीटर, रुद्रनाथ मंदिर समुद्र तल से 2286 मीटर तथा कल्पेश्वर मंदिर समुद्र तल से 2200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।

इतनी दूरी करनी पड़ती है तय

केदारनाथ मंदिर तक जाने के लिए भक्तों को 16 किमी की चढ़ाई कर पैदल जाना पड़ता है। तुंगनाथ मंदिर के लिए लगभग 3.5 किमी, रुद्रनाथ और मध्यमहेश्वर के लिए 18 किमी तथा कल्पेश्वर के लिए लगभग 3 किमी का पैदल मार्ग है। चोपता जिले में स्थित तुंगनाथ को मिनी स्विट्जरलैंड भी कहते हैं। कंटेंट: सुप्रिया सरकार

व्यंग्य

सोशल मीडिया पर डीपी के मायने

यशवंत गोरे
व्यंग्यकार

सोशल मीडिया ने असली मीडिया को बहुत पीछे छोड़ दिया है। इससे बड़े-बड़े मीडिया वाले परेशान हो गए। कोई भी खबर अब उन्हें सोशल मीडिया से मिलने लगी है। हर मोबाइलधारी ने अपना कोई न कोई सोशल मीडिया खाता खोल रखा है। कोई फेस बुक पर तो कोई इंस्टाग्राम, ट्विटर हो या व्हाट्सएप पर। व्हाट्सएप तो हर मोबाइल धारकों के लिए दिनचर्या का अनिवार्य हिस्सा सा बन गया है। कुछ लोग तो हर तरह के सोशल मीडिया में सक्रिय रह कर दखल देते रहते हैं। ऐसा लगता है देश में सोशल मीडिया ने बेरोजगारी की समस्या को कुछ हद तक हल कर दिया है। रील बनाकर सोशल मीडिया पर डालना, फॉलोवर और देखने वालों की गिनती करने में रियल लाइफ में व्यस्त हो गए हैं।

सभी अपने अपने हिसाब से व्यस्त हैं फिर भी देश की बेरोजगारी से परेशान विपक्ष सरकार को घेरता रहता है। सोशल मीडिया में डीपी का बड़ा महत्व है। हम हिंदी माध्यम वाले अभी तक डीपी का मतलब दिखावटी फोटो ही समझते थे, परंतु गूगल गुरु ने बताया कि डीपी का मतलब 'डिस्प्ले पिक्चर' होता है। कुछ मोबाइलधारी अपना डीपी एक बार डाल कर भूल जाते हैं या तो उन्हें डीपी बदलना आता नहीं है या डीपी बदलने के बाद मिलने वाले कमेंट पसंद नहीं है। महिलाएं डीपी बदलने में विशेषज्ञ होती है। तरह-तरह की मुद्राएं बनाकर डीपी पर डालना उन्हें अच्छा लगता है। नई साड़ी या सूट-ड्रेस, नई-नई हेयर स्टाइल, नए गहने खरीदकर लाने पर पहनकर सेल्फी लेना और सबसे पहले डीपी पर डालना।

कमेंट का इंतजार करना। कमेंट्स के लिए बार-बार मोबाइल देखने में जो आनंद उन्हें मिलता है, उससे उनका जीवन धन्य हो गया है, ऐसी फीलिंग आती है। राष्ट्रवादी और धर्म प्रेमी त्योहारों के हिसाब से अपनी डीपी बदलते रहते हैं। भक्त लोग अपने नेताओं की डीपी डाल कर अपनी भक्ति का प्रदर्शन करते हैं, और उनके आह्वान पर उसके अनुसार डीपी बदलते रहते हैं। पार्टी के कार्यकर्ता अपने किसी प्रिय नेता के साथ जुगाड़ लगाकर साथ खींची गई फोटो या सेल्फी तब तक नहीं बदलते जब तक किसी दूसरे नेता के साथ जुगाड़ नहीं लग जाती। शादी की सालगिरह को हो या जन्मदिन आधी रात होते ही डीपी बदल दी जाती है ताकि सुबह से ही बधाइयों का तांता लग जाए। किसने बधाई दी और नहीं देने वालों का हिसाब रखा जा सके। व्यंग्यकार और साहित्यकार श्रेणी के लोग अपनी डीपी कोई पुरस्कार मिलते ही बदल देते हैं, और तब तक नहीं बदलते जब तक दूसरा पुरस्कार नहीं मिल जाता। कुछ मोबाइलधारी अपनी डीपी पर अपने इष्ट देवताओं की डीपी बना कर रखते हैं ताकि उसकी कृपा उन पर बनी रहे।

कुछ लोग अपने दिवंगत माता-पिता की फोटो डीपी पर लगा कर रखते है ताकि उनका आशीर्वाद मिलता रहे। प्रकृति प्रेमी खूबसूरत फूलों की डीपी बनाकर अपने आपको प्रकृति प्रेमी दिखाते रहते हैं। कुछ लोग जानबूझकर डीपी पर अपना फोटो नहीं डालते इससे उन्हें उल्टे-सीधे कमेंट्स करने की आजादी होती है। डीपी पर अपना फोटो नहीं डालने से व्हाट्सअप ग्रुप के दूसरे सदस्यों को जिन्होंने उनका नंबर सेव नहीं कर रखा है, पता नहीं चल पाता कि उल्टे सीधे कमेंट करने वाला कौन है।

कुछ डरपोक किस्म के लोग भी होते हैं वे इसलिए अपना फोटो डीपी पर नहीं लगाते कि उनकी फोटो का कोई दुरुपयोग नहीं कर ले। कुछ लोग अपने को जवान बताने के लिए अपना जवानी का फोटो डीपी पर लगाएं रहते हैं। डीपी पर मिलने वाले कुछ कमेंट फिक्स रहते हैं नाइस डीपी, वॉव, खूबसूरत, गॉर्जियस, स्मार्ट। कुछ लोग औपचारिकता के लिए कमेंट्स करने की बजाय डीपी डालने वालों के मन को रखने के लिए इमोजी से काम चला लेते हैं।

अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री, राजस्थान
@ashokgehlot51
सरकार की योजनाओं से किसी के आंगन की नन्ही मुस्कान तो किसी के सर का साया और मां का आंचल महफूज हो पाया तो इससे ज्यादा तसल्ली की खबर और क्या होगी।

वसुंधरा राजे, पूर्व मुख्यमंत्री, राजस्थान
@VasundharaBJP
इस सरकार ने खुलेआम भर्ती परीक्षाओं की नीलामी कर युवाओं के भविष्य को बर्बाद किया है। पेपर लीक और भर्ती परीक्षाओं के भ्रष्टाचार में कांग्रेस के लोगों का सीधा हाथ है।

जया किशोरी (वक्ता), आध्यात्मिक मार्गदर्शक
@iamjayakishori
जिंदगी एक खेल की तरह है और अगर आप इस खेल को जीतना चाहते हैं तो आपको धैर्य रखना होगा।

श्री रवि शंकर, योग गुरु
@Srisri
एक अटूट मुस्कान, संक्रामक उत्साह, अधिक से अधिक अच्छाई और असीमित ऊर्जा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता सफलता के सच्चे संकेत हैं।

जगदीश वासुदेव, योग गुरु
@SadhguruJV
प्रेम का अर्थ है राय और पूर्वाग्रह से परे एक और जीवन का पोषण करने के लिए तैयार रहना।

एकजुट विपक्ष अगले लोकसभा चुनाव में दे सकता है प्रधानमंत्री मोदी को चुनौती

भाजपा विरोधी गुट का नेता ठीक वक्त पर आएगा सामने: चिदंबरम

एजेंसी | नई दिल्ली

कांग्रेस की ओर से बेंगलुरु में आयोजित विपक्षी दलों की अहम बैठक से पहले पार्टी के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने रविवार को विश्वास व्यक्त किया कि विपक्ष एकजुट होकर 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती दे सकता है। दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी लोकसभा चिदंबरम ने साथ ही कहा कि भाजपा विरोधी गुट का नेता ''ठीक वक्त'' पर सामने आएगा।

कांग्रेस नेता ने एक साक्षात्कार में कहा कि विपक्षी दलों में कांग्रेस

का 'खास स्थान' है लेकिन 'इस पर इस वक्त बात करने की जरूरत नहीं है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) ने पटना में विपक्ष की बैठक में जिस तरह से दिल्ली अध्यादेश का मुद्दा उठाया था वह दुर्भाग्यपूर्ण है।

विपक्षी दल कई मुद्दों को लेकर चिंतित

चिदंबरम ने जोर देकर कहा कि विपक्षी दलों के कई साझा उद्देश्य हैं जैसे कि वे भाजपा सरकार की सामाजिक तथा आर्थिक नीतियों के खिलाफ हैं तथा धीमी आर्थिक वृद्धि, बढ़ती मंहगाई एवं बढ़ती बेरोजगारी को लेकर चिंतित हैं, साथ ही वे नागरिक स्वतंत्रता में कटौती, मीडिया पर दबाव, संस्थाओं को कमजोर करने तथा जांच एजेंसियों के दुरुपयोग को लेकर भी चिंतित हैं। वे सीमाओं पर सुरक्षा के हालात पर भी चिंतित हैं और इन साझा चिंताओं ने उन्हें 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का विरोध करने के लिए एकजुट किया है।

उद्देश्यपूर्ण होगी बेंगलुरु बैठक

चिदंबरम ने कहा कि विपक्षी दलों के पास चुनाव को देखते हुए जितनी बार हो सके, उतनी बार बैठकें करने के पर्याप्त कारण हैं। बेंगलुरु में होने वाली बैठक यकीनन उद्देश्यपूर्ण होगी औरहमें धैर्य रखकर देखना होगा कि अगले कदम क्या होंगे।

बंगाल में वापसी कर रहे हैं वाम दल: माकपा

कोलकाता। माकपा ने कहा कि 2021 के विधानसभा चुनाव में हार के बाद 2023 के पंचायत चुनाव परिणामों ने वाम दल की वापसी के संकेत दिए हैं। इसने यह भी कहा कि राज्य में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा काम नहीं कर पा रही हैं। पार्टी ने दावा किया कि पंचायत चुनावों में कांग्रेस और आईएसएफ के साथ उसका मत प्रतिशत 21 प्रतिशत हुआ है जो विधानसभा चुनाव के 10 प्रतिशत से अधिक है। माकपा की केन्द्रीय समिति के सदस्य सुजान चक्रवर्ती ने कहा, स्पष्ट संकेत हैं कि वाम आगे बढ़ रहा है। वाम, कांग्रेस और आईएसएफ के संयुक्त मत प्रतिशत में वृद्धि ने चुनावी लड़ाई को तृणमूल तथा भाजपा के बीच दोहरे मुकाबले के बजाय त्रिकोणीय बना दिया है। वहीं, 2019 के लोकसभा तथा 2021 के विधानसभा चुनाव में मुकाबला दोतरफा ही था। माकपा ने कहा कि वह 2021 के उपचुनाव के बाद मजबूत हुई है और उसका मत प्रतिशत तेजी से बढ़ा है।

भाजपा व जद(एस) का गठबंधन संभव

हुब्बली (कर्नाटक)। भाजपा के वरिष्ठ नेता बसवराज बोम्मई ने 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले जद (एस) के राजग में शामिल होने के संबंध में बातचीत का संकेत दिया।पूर्व मुख्यमंत्री बोम्मई ने कहा कि चर्चा के नतीजे भविष्य के राजनीतिक घटनाक्रम को निर्धारित करेंगे। बोम्मई ने कहा, यह हमारे नेतृत्व और जद (एस) अध्यक्ष एच डी देवेगौड़ा के बीच चर्चा पर निर्भर करता है।

ममता बनर्जी सरकार कुछ महीनों की मेहमान: शांतनु

कोलकाता। भाजपा ने पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर हमले तेज करते हुए रविवार को कहा कि ममता बनर्जी नीत सरकार कुछ महीनों की मेहमान रह गई है। उत्तर 24 परगना जिले में अपने बनगांव लोकसभा क्षेत्र में पार्टी के एक कार्यक्रम में भाजपा के सांसद शांतनु ठाकुर ने कहा कि टीएमसी सरकार पांच महीने से ज्यादा नहीं टिक पाएगी। केंद्रीय जहाजरानी राज्य मंत्री ठाकुर ने कहा, ममता बनर्जी सरकार ने अपनी सार्थकता खो दी है। अगर टीएमसी ने हाल ही में संपन्न पंचायत चुनावों में व्यापक धांधली का सहारा नहीं लिया होता, तो भाजपा को हजारों और सीट पर जीत मिलती। लेकिन टीएमसी सरकार की देखरेख में यह आखिरी चुनाव होने जा रहा है, जहां राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) समेत राज्य की सारी मशीनरी तटस्थ और निष्पक्ष भूमिका निभाने में विफल रही है।

यूसीसी मुसलमानों के खिलाफ नहीं: अठावले

पुडुचेरी। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने रविवार को मुसलमानों से अपील की कि वे समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का विरोध न करें। आठवले ने पुडुचेरी के दौरे पर यहां पत्रकारों से कहा, "समान नागरिक संहिता (यूसीसी) मुस्लिम समुदाय के खिलाफ नहीं है और इसलिए मैं मुसलमानों से अपील करता हूं कि वे यूसीसी का विरोध न करें।

भाजपा की कुनबा बढ़ाने की कवायद मिला एक और पार्टी का साथ

राजग के साथ आई ओमप्रकाश राजभर की पार्टी सुभासपा

एजेंसी | नई दिल्ली/लखनऊ

आगामी लोकसभा चुनावों से पहले छोटे-छोटे दलों को साधने की कोशिश में जुटी भाजपा को रविवार को एक और सफलता मिली। उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से ताल्लुक रखने वाले ओम प्रकाश राजभर के नेतृत्व वाली सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल हो गई। समझा जाता है कि राजभर के राजग में शामिल होने से उत्तर प्रदेश में भाजपा को मजबूती मिलेगी।

यूपी में लोकसभा की 80 सीट है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार ओमप्रकाश राजभर अपने बूते पर किसी को जीता तो नहीं सकते लेकिन हार-जीत का गणित बना-बिगाड़ सकते हैं। राजभर के राजधानी दिल्ली में भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने के बाद यह घोषणा की गई। शाह ने एक ट्वीट में कहा, ओम प्रकाश राजभर से दिल्ली में भेंट हुई। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से जुड़ने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही शाह ने इस मुलाकात की एक तस्वीर भी साझा की।

कभी सपा, कभी भाजपा का साथ

- 2017- यूपी विधानसभा चुनाव भाजपा के साथ मिलकर लड़ा। बाद में कैबिनेट मंत्री बने। बाद में सरकार से दूरी बढ़ने पर हो गए थे अलग।
- 2022-यूपी विधानसभा चुनाव सपा के साथ मिलकर लड़ा।
- 2023-फिर आए भाजपा नीत राजग के साथ

राजभर की सियासी ताकत

- 4 प्रतिशत वोट हैं यूपी में राजभर समुदाय के
- 16 लोकसभा क्षेत्रों में चुनाव नतीजों को प्रभावित करने की क्षमता

पूर्वांचल है राजभर का प्रभाव क्षेत्र

ओम प्रकाश राजभर का विशेष रूप से राजभर समुदाय के बीच प्रभाव है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में इस समुदाय की अच्छी खासी तादाद है। खासतौर से गाजीपुर, बलिया, मऊ, आजमगढ़, अंबेडकरनगर, जौनपुर, चंदौली, वाराणसी, देवरिया, संत कबीर नगर, कुशीनगर, गोरखपुर, बस्ती और बहराइच समेत कई जिलों में राजभर मतदाताओं का प्रभाव माना जाता है।

यूपी में दो व बिहार में एक लोस सीट पर दावा

सूत्रों का कहना है कि अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए ओमप्रकाश राजभर ने मऊ जिले की घोसी और गाजीपुर लोकसभा सीटों के लिए राजग में अपना दावा ठोंका है। वह बिहार में भी एक सीट की मांग कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक राजभर घोसी या गाजीपुर में अपने छोटे पुत्र और पार्टी प्रवक्ता अरुण राजभर को उम्मीदवार बनाना चाहते हैं। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सहयोगी दलों को पत्र लिखकर इस बैठक के लिए आमंत्रित किया है। नड्डा ने लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान, हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के जीतन राम मांझी, शिरोमणि अकाली दल (संयुक्त) के सुखदेव सिंह ढींडसा सहित विभिन्न नेताओं को पत्र लिखा है। पासवान और मांझी राजग की बैठक में शामिल हो सकते हैं।

दारा सिंह चौहान भाजपा में होंगे शामिल!

'पूर्वांचल' के एक अन्य ओबीसी नेता दारा सिंह चौहान ने शनिवार को समाजवादी पार्टी के विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने इससे पहले अमित शाह से मुलाकात की थी। चौहान के भी जल्द ही भाजपा में शामिल होने की संभावना है। चौहान पहले भाजपा में ही थे, लेकिन 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले वह सपा में शामिल हो गए थे।

राजभर बेसहारा: सपा प्रवक्ता

समाजवादी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने कहा कि राजभर भी बेसहारा हैं और भाजपा भी अक्षमता की स्थिति में बेसहारा हो गई है, इसलिए दोनों मिलकर भी कुछ नहीं कर सकते हैं।भाजपा का मूल सिद्धांत आपदा में अवसर की तलाश है। भाजपा इस समय संकट में है और सत्ता में रहने के बाद भी उसे लोकसभा के लिए प्रत्याशी नहीं मिल रहे हैं।

राजग की बैठक

उम्मीद की जा रही है कि राजभर अब 18 जुलाई की बैठक में शामिल होंगे। इस बैठक को लोकसभा चुनावों से पहले सत्तारूढ़ गठबंधन के शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है।

सियासी सौहार्द से गरमाई सियासत

महाराष्ट्र: अजित की अपने खेमे के मंत्रियों के साथ शरद से मुलाकात

एजेंसी | मुंबई

महाराष्ट्र की सियासत रविवार को फिर गर्मा गई। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने राकांपा के अपने खेमे के कुछ अन्य मंत्रियों के साथ रविवार को मुंबई में राकांपा के दूसरे खेमे के अध्यक्ष शरद पवार से मुलाकात की और उनसे पार्टी को एकजुट रखने का आग्रह किया। अपने चाचा के खिलाफ बगावत करने और दो जुलाई को एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल होने के बाद अजित पवार के नेतृत्व वाले समूह और शरद पवार के बीच यह पहली अनिर्धारित बैठक थी।

अजित ने राकांपा मंत्रियों- हसन मुशरिफ, छगन भुजबल, अदिति तटकरे और दिलीप वलसे पाटिल के साथ वाई बी चव्हाण सेंटर में शरद पवार से मुलाकात की। अजित खेमे में शामिल प्रफुल्ल पटेल ने यह जानकारी दी।

राकांपा को एकजुट रखने का आग्रह

बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि शरद पवार उन सबके लिए एक आदर्श की तरह हैं और वे आशीर्वाद लेने के लिए उनसे मिले। हमने उनसे अगले कुछ दिनों में हमारे अनुरोध के बारे में सोचने और हमारा मार्गदर्शन करने के लिए भी कहा। उन्होंने चुपचाप हमारी बात सुनी, लेकिन कुछ नहीं कहा। पटेल ने कहा कि अजित पवार खेमे के मंत्रियों ने शरद पवार से पहले से समय नहीं लिया था।

किसी वरिष्ठ नेता से मिलने में कुछ भी गलत नहीं: भाजपा

बैठक पर टिप्पणी करते हुए, भाजपा की मुंबई इकाई के अध्यक्ष आशीष शेलार ने कहा, अजित पवार गुट अभी भी शरद पवार को अपना नेता मानता है। किसी वरिष्ठ नेता से मिलने में कुछ भी गलत नहीं है।

कांग्रेस व अन्य विपक्ष दलों की रणनीति की काट की तैयारी

ओबीसी और दलितों को साधने में जुटी BJP

एजेंसी | नई दिल्ली

विपक्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में उसे घेरने के लिए ओबीसी जनगणना सहित कई मुद्दों पर जोर देने के बीच भारतीय जनता पार्टी ने पिछड़ों व दलित समुदायों को साधने के लिए उनके नेताओं को राजग से जोड़ने की कवायद शुरू कर दी है। यूपी में अन्य पिछड़ा वर्ग के नेता ओम प्रकाश राजभर का भाजपा के खेमे में शामिल होना हिंदीभाषी क्षेत्र में वंचित जातियों के बीच अपनी उपस्थिति बढ़ाने के सत्तारूढ़ दल के प्रयासों को रेखांकित करता है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार राजभर का राजग में शामिल होना यह दर्शाता है कि जातिगत जनगणना की कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों की मांग के मद्देनजर भाजपा ने भी जवाबी कदम उठाना आरंभ कर दिया है। केंद्र सरकार ने अब तक ओबीसी जनगणना की मांग पर चुप्पी साध रखी है। यह समुदाय मतदाताओं का सबसे बड़ा वर्ग है। समझा जाता है कि इसीलिए भाजपा ने विशेष पिछड़ी या दलित जाति का प्रतिनिधित्व करने वाले कई नेताओं को जोड़ना शुरू कर दिया है। हाल में कई नेताओं ने भाजपा नीत राजग का रुख किया है।

अनुप्रिया के बाद निषाद व राजभर को जोड़ा

वर्ष 2014 से BJp का गढ़ बन चुके यूपी में राजभर और संजय निषाद जैसे ओबीसी नेताओं का राजग में शामिल होने से उसे मजबूती मिली है। इन दोनों नेताओं का नाविकों और मछुआरा समुदायों में खासा प्रभाव है। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के नेतृत्व वाला अपना दल (सोनेलाल) पहले से ही राजग का हिस्सा है। निषाद ने 2019 के लोस चुनाव से पहले अपनी 'निषाद' पार्टी का BJP के साथ गठजोड़ किया था। पटेल 2014 से भाजपा की सहयोगी हैं।

बिहार में चिराग पासवान को जोड़ने के प्रयास

पड़ोसी राज्य बिहार में भाजपा चिराग पासवान को भी अपने खेमे में वापस लाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उनके नेतृत्व वाली लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को बिहार के सबसे अधिक आबादी वाले दलित समुदाय, पासवान का समर्थन प्राप्त है। पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने पहले ही राजग में शामिल हो चुके हैं, जबकि उपेंद्र कुशवाहा की भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ कई बैठकें भी हो चुकी हैं।

अखिलेश से मिला मुस्लिम प्रतिनिधिमंडल

लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव से रविवार को लखनऊ में मुसलमानों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की और समान नागरिक संहिता के मसले पर उनके साथ चर्चा की और अपने विचारों से उनको अवगत कराया। -पीटीआई

दिल्ली अध्यादेश का विरोध करेगी कांग्रेस

बेंगलुरु में विपक्षी दलों की बैठक में शामिल होगी अब 'आप': राघव चड्ढा

एजेंसी | नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा ने रविवार को कहा कि पार्टी 2024 के लोकसभा चुनावों में एकजुट होकर भाजपा का मुकाबला करने के लिए एक संयुक्त रणनीति बनाने के लिए बेंगलुरु में होने वाली विपक्षी दलों की बैठक में शामिल होगी।

'आप' की राजनीतिक मामलों की समिति की रविवार को यहां दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। चड्ढा ने दिल्ली में प्रशासनिक सेवाओं पर नियंत्रण से संबंधित केंद्र के अध्यादेश का संसद में विरोध करने के कांग्रेस के कदम

का स्वागत किया। केजरीवाल की अध्यक्षता वाली राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) 'आप' की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली इकाई है।

आप ने बैठक के लिए रखी थी शर्त

'आप' ने पहले कहा था कि वह बेंगलुरु की बैठक में तभी शामिल होगी, जब कांग्रेस संसद में दिल्ली में सेवाओं पर नियंत्रण से संबंधित केंद्र के अध्यादेश के विरोध में आम आदमी पार्टी को अपना समर्थन देगी।

आप की राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक में हुआ मंथन

'आप' की पीएसी की बैठक कांग्रेस द्वारा दिल्ली में प्रशासनिक सेवाओं पर केंद्र के अध्यादेश पर अपना रुख स्पष्ट करने के तुरंत बाद हुई है। कांग्रेस ने रविवार को साफ किया कि वह दिल्ली में सेवाओं के नियंत्रण से संबंधित केंद्र के अध्यादेश का संसद में समर्थन नहीं करेगी और देश में संघवाद को ध्वस्त करने के केंद्र सरकार के ऐसे किसी भी प्रयास का विरोध करेगी।

संघवाद खत्म करने के प्रयासों का विरोध रहेगा जारी

कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी का रुख साफ है कि वह राज्यपालों के जरिए विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों में हस्तक्षेप करने के केंद्र के ऐसे किसी भी कदम का विरोध करेगी। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हम संघवाद को खत्म करने के केंद्र सरकार के प्रयासों का निरंतर विरोध कर रहे हैं। हम विपक्ष द्वारा शासित राज्यों को राज्यपालों के जरिए चलाने के केंद्र सरकार के रवैये का निरंतर विरोध कर रहे हैं। हमारा रुख बहुत स्पष्ट है, हम दिल्ली

में सेवाओं पर नियंत्रण से संबंधित अध्यादेश का समर्थन नहीं करने वाले हैं। इसके बाद 'आप' के राष्ट्रीय प्रवक्ता राघव चड्ढा ने ट्वीट कर कहा, कांग्रेस ने दिल्ली अध्यादेश के स्पष्ट विरोध की घोषणा की है। यह एक सकारात्मक घटनाक्रम है।

कांग्रेस ने सदा अपनी राज्य इकाइयों के हितों से समझौता किया: भाजपा

भाजपा ने रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपनी राज्य इकाइयों के हितों से नियमित रूप से समझौता किया है और राहुल गांधी को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए खुद को 'लोगों के एक झुंड' तक सीमित कर लिया है।भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा, कांग्रेस की दिल्ली इकाई ने आप को समर्थन देने का विरोध किया था। अधीर रंजन चौधरी पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के शासन के खिलाफ खड़े हो रहे हैं। लेकिन दोनों राज्यों में कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने आप और तृणमूल कांग्रेस के साथ समझौता किया है, जिसके बदले में कोई फायदा नहीं हुआ। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए भाजपा प्रवक्ता जयवीर शेरगिल ने कहा, बेंगलुरु में खंडित 'विपक्ष की बैठक' कर रही कांग्रेस को पहले कांग्रेस के भीतर मतभेदों को स्पष्ट करना चाहिए।

जरूरी खबर

भारत और फ्रांस के संबंध समय से परे: पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत और फ्रांस के बीच संबंध समय से परे हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वह फ्रांस की अपनी यात्रा को हमेशा याद रखेंगे। ट्विटर पर एक वीडियो के साथ जारी संदेश में मैक्रों ने लिखा था, भारत के लोगों के लिए, विश्वास और दोस्ती। मोदी ने कहा, भारत और फ्रांस... एक ऐसा बंधन जो समय से परे है, हमारे साझा मूल्यों में गूंजता है और हमारे सामूहिक सपनों को पूरा करता है। मैं फ्रांस की अपनी हालिया यात्रा को यादों में हमेशा संजोकर रखूंगा। धन्यवाद मेरे दोस्त, राष्ट्रपति मैक्रों।

आयकर रिटर्न की समय-सीमा बढ़ाने पर विचार नहीं

नई दिल्ली। राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने कहा कि वित्त मंत्रालय आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की 31 जुलाई की समयसीमा को बढ़ाने पर विचार नहीं कर रहा है। उन्होंने साथ ही आयकरदाताओं से जल्द से जल्द अपना रिटर्न दाखिल करने को कहा। मल्होत्रा ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में कहा, हमें उम्मीद है कि इस साल पिछले वर्ष से ज्यादा रिटर्न दाखिल होंगे। पिछले साल 31 जुलाई तक लगभग 5.83 करोड़ आयकर रिटर्न दाखिल किए गए थे, जो आकलन वर्ष 2022-23 के लिए रिटर्न दाखिल करने का आखिरी दिन था। आईटीआर दाखिल करने की गति पिछले साल की तुलना में बहुत तेज है और हम आयकरदाताओं को सलाह देंगे कि वे आखिरी क्षण तक इंतजार न करें। समयसीमा में किसी भी विस्तार की उम्मीद न करें।

भारत, मंगोलिया में संयुक्त सैन्य अभ्यास आज से

नई दिल्ली। भारतीय और मंगोलियाई सैनिक 17 से 31 जुलाई तक उलानबटार में द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास के 15वें संस्करण में भाग लेंगे। इस सैन्य अभ्यास का उद्देश्य सकारात्मक सैन्य संबंध, सर्वोत्तम सैन्य प्रथाओं का आदान-प्रदान, द्विपक्षीय अंतर-संचालनीयता और मित्रता को सुदृढ़ करना है। भारतीय सेना के 43 जवानों की टुकड़ी भारतीय वायु सेना के सी-17 विमान से रविवार को मंगोलिया के उलानबटार पहुंची। यह सैन्य दल द्विपक्षीय संयुक्त अभ्यास नोमैडिक एलीफेंट-23 के 15वें संस्करण में भाग लेगा।

विश्व शांति के लिए प्रार्थना

लेह। लद्दाख में थाई भिक्षु महाबोधि इंटरनेशनल मेडिटेशन सेंटर की ओर से आयोजित 32 दिवसीय पदयात्रा लेह में संपन्न हुई। इस अवसर पर शांति स्तूप पर विश्व शांति व सद्भाव के लिए प्रार्थना करते विभिन्न धर्मों के लोग। इंडियन मायनॉरिटीज फाउंडेशन (आईएमएफ) के प्रतिनिधियों ने भी पदयात्रा में भाग लिया। प्रार्थना में आईएमएफ के सतनाम सिंह संधु व अन्य धर्मों के लोग भी शामिल हुए। **-पीटीआई**

ट्रिब्यूनल में रिक्तियों पर SC करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय सोमवार को उस याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें केंद्र सरकार के औद्योगिक न्यायाधिकरण में रिक्तियों का मुद्दा उठाया गया है और कहा गया है कि इसकी 22 पीठों में से नौ रिक्त हैं। शीर्ष अदालत ने पांच जुलाई को केंद्र सरकार के औद्योगिक न्यायाधिकरण-सह-श्रम न्यायालयों में रिक्तियों को भरने के लिए निर्देश देने के अनुरोध वाली याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा था। न्यायालय ने इस दलील पर गौर किया था कि 22 न्यायाधिकरणों में से नौ में पीठासीन अधिकारी नहीं हैं और 2023 में तीन और न्यायाधिकरणों में रिक्तियां बनने की संभावना है। इस मामले पर सोमवार को प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़,न्यायधीश पी. एस. नरसिम्हा और न्यायधीश मनोज मिश्रा की पीठ सुनवाई करेगी।

एकता की कवायद: दो दिन तक होगा मंथन

बेंगलुरु में आज से जुटेंगे 26 विपक्षी दलों के नेता

एजेंसी | नई दिल्ली

बेंगलुरु में सोमवार को होने वाली विपक्ष की बैठक में 26 विपक्षी दलों के शीर्ष नेताओं के दो दिवसीय विचार-मंथन सत्र में भाग लेने की संभावना है, जहां वे 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने के लिए अपनी रणनीति तैयार करेंगे।' बैठक में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के भी शामिल होने की संभावना है।

दो दिवसीय सत्र की शुरुआत कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया द्वारा आयोजित रात्रिभोज के साथ होगी और मंगलवार को एक और औपचारिक बैठक होगी। पटना में 23 जून को हुई विपक्षी दलों की पहली बैठक में 15 दलों ने भाग लिया था। एक सूत्र ने कहा, इस बार हम 26 दलों के नेताओं के बैठक में शामिल होने की उम्मीद कर रहे हैं।

देशभर में आंदोलन के लिए बनेगी रूपरेखा

सूत्रों ने कहा कि विपक्षी दल भाजपा की नीतियों के खिलाफ देश भर में एक संयुक्त आंदोलन की योजना बनाएंगे। उन्होंने कहा कि खासकर महाराष्ट्र में राकांपा के विभाजन के बाद रणनीति पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि विपक्षी नेता भाजपा से मुकाबला करने के लिए विपक्षी एकता को मजबूत करने के कदमों की घोषणा करेंगे और विपक्षी सरकारों को गिराने और राज्यपालों के माध्यम से गैर-भाजपा शासित राज्यों पर नियंत्रण करने के भाजपा के प्रयासों को उजागर करेंगे।

यह बोले विपक्षी नेता

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा, यह एक निर्णायक बैठक होगी। कई मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। भाकपा महासचिव डी. राजा ने कहा कि दो दिवसीय सत्र भाजपा को हराने के लिए विपक्ष के संयुक्त संकल्प को दर्शाएगा। राजा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, बेंगलुरु बैठक भाजपा को हराने और देश एवं लोकतंत्र को बचाने के लिए धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक पार्टियों को एकजुट करने की दिशा में एक और कदम होगी।

ये हो सकते हैं बैठक में शामिल

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस के पूर्व प्रमुख राहुल गांधी, राकांपा सुप्रीमो शरद पवार, टीएमसी प्रमुख एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, बिहार के मुख्यमंत्री एवं जद(यू) नेता नीतीश कुमार, द्रमुक नेता एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन, झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता एवं झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और आम आदमी पार्टी के नेता एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बैठक में शामिल हो सकते हैं।

दिल्ली: यमुना में जलस्तर घटा, घरों को लौटने लगे लोग

उत्तराखंड में भारी बारिश बदरीनाथ राजमार्ग बाधित

एजेंसी | नई दिल्ली

उत्तराखंड के अनेक स्थानों पर रविवार को भी बारिश हुई जिससे भूस्खलन के कारण बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग सहित कई सड़कों पर यातायात अवरूद्ध हुआ। दूसरी ओर देश की राजधानी दिल्ली में यमुना नदी के जलस्तर में कमी आने के बाद उत्तरी दिल्ली के लोग अपनी दुकानों और घरों की तरफ लौटने लगे हैं। ये लोग बाढ़ आने के कारण अपने घरों और दुकानों को छोड़कर सुरक्षित स्थान पर चले गए थे।

चमोली जिले के जोशीमठ क्षेत्र की नीति घाटी में गिर्थी गंगा नदी में मलबे के साथ अत्यधिक पानी आने के कारण जोशीमठ-मलारी मोटर मार्ग पर एक पुल का अबेटमेंट (पुल को सहारा देने वाली संरचना) क्षतिग्रस्त हो गया। यह पुल मलारी से आठ किलोमीटर आगे नदी पर है। सेना द्वारा निर्मित इस मोटर पुल पर सामान्य लोगों का आवागमन नहीं था और इसका उपयोग केवल सेना, आइटीबीपी आदि द्वारा किया जाता था। देहरादून में अधिकारियों ने बताया कि प्र ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग चमोली जिले में पीपलकोटी और टंगणी में मलबा आने के कारण अवरूद्ध है, जिसे खोलने के प्रयास जारी रहा है।

@ दिल्ली

दिल्ली आईटीओ बैराज: गेट खोलने के लिए नौसेना की मांगी सहायता

दूसरी ओर राजधानी दिल्ली में बाढ़ के कारण प्रशासन को आईटीओ बैराज के जाम हो चुके द्वारों को खोलने के लिए नौसेना की मदद लेनी पड़ी। नौसेना ने शुक्रवार को बैराज का एक द्वार खोल दिया, जबकि 32 में से चार द्वार अब भी जाम हैं। रविवार को यमुना नदी का जलस्तर 205.98 मीटर दर्ज किया गया

पंजाब-हरियाणा: मृतकों की संख्या 62 हुई

चंडीगढ़। उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में हाल में हुई मूसलाधार बारिश से संबंधित घटनाओं के चलते पंजाब और हरियाणा में कम से कम 62 लोगों की मौत हुई। पंजाब के संगरूर और पटियाला जिलों समेत कई स्थानों पर राहत कार्य अब भी जारी है, और घग्गर नदी के किनारे मिट्टी के तटबंधों में आई दरारों की मरम्मत की जा रही है।

केदारनाथ मंदिर प्रबंधन का अहम फैसला, लगाए साइन बोर्ड

वीडियो बनाने व फोटो लेने पर बैन

एजेंसी | देहरादून।

हाल में कई विवादास्पद वीडियो के कारण चर्चा में रहे केदारनाथ मंदिर में मोबाइल फोन लेकर प्रवेश करने, फोटो लेने और वीडियो बनाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

मंदिर की व्यवस्थाओं के लिए जिम्मेदार श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ने इस संबंध में मंदिर परिसर में जगह-जगह बोर्ड लगा दिए हैं। इन बोर्ड में कहा गया है कि मंदिर परिसर में मोबाइल फोन लेकर प्रवेश न करें, मंदिर के भीतर किसी प्रकार की फोटोग्राफी तथा वीडियोग्राफी पूर्णतः वर्जित है और आप सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में हैं।

मर्यादित वस्त्र धारण के निर्देश

कुछ अन्य बोर्ड में मंदिर और मंदिर परिसर में मर्यादित वस्त्र ही धारण करने को कहा गया है जबकि एक अन्य बोर्ड में कहा गया है कि मंदिर प्रांगण में तंबू या शिविर स्थापित करना दंडनीय अपराध है। हिंदी और अंग्रेजी में लिखे इन बोर्ड में साफ तौर पर कहा गया है कि ऐसा करते पकड़े जाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बिजली के खंभों व पाइप से बनाए हथियार

सुगनू (मणिपुर)। मणिपुर में न जब्त किए गए हथियारों में एक बड़ा हिस्सा ऐसे हथियारों का था जिन्हें उखाड़े गए बिजली के खंभों या गैल्वनाइज्ड लोहे (जीआई) की पाइप से बनाया गया था। चित्र में विभिन्न समूहों से बरामद हुए हथियार।

महिला शक्ति... विदेश में आईआईटी के परिसर की कमान प्रीति अघालयम के हाथों में

आईआईटी में महिलाओं की संख्या कम, अनुपात सुधारने के हो रहे प्रयास

एजेंसी | नई दिल्ली

आईआईटी की पहली महिला निदेशक बनने वालीं प्रीति अघालयम के अनुसार भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में महिलाएं अभी भी अल्पसंख्यक हैं और परिसर में लिंगानुपात में सुधार के लगातार प्रयासों के बावजूद एक लंबा रास्ता तय करना है। पहला आईआईटी 1951 में खड़गपुर में स्थापित किया गया था लेकिन सात दशकों के बाद किसी महिला को इस प्रतिष्ठित संस्थान की प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया है। अघालयम ने एक साक्षात्कार में 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मेरे लिए, यह तथ्य कि यह विदेश में आईआईटी का पहला परिसर है, मेरे आईआईटी प्रमुख बनने वाली पहली महिला होने से अधिक महत्वपूर्ण है। यह मेरे लिए केवल परंपरा को तोड़ने के बारे में नहीं है। एक बार जब आप आईआईटी से जुड़ते हैं तो जीवनभर उसी से जुड़े रहते हैं। लिंगानुपात के संबंध में उन्होंने कहा, पिछले कुछ वर्षों में हालात में थोड़ा सुधार हुआ है लेकिन समस्या अभी भी मौजूद है और यह सभी स्तरों पर है- विद्यार्थियों और संकाय दोनों में। हम आईआईटी-मद्रास में लगभग 12 प्रतिशत महिला संकाय हैं। समस्या परिसरों में लैंगिक समावेशिता के बारे में नहीं है, बल्कि प्रौद्योगिकी संस्थानों के आसपास की संपूर्ण धारणा के बारे में है।

@ जंजीबार

जंजीबार में परिसर स्थापना की तैयारी

वर्ष 1959 में स्थापित आईआईटी-मद्रास, अंतरराष्ट्रीय परिसर शुरू करने वाला देश का पहला आईआईटी बन गया है। तंजानिया के जंजीबार में नया संस्थान अक्टूबर में अपना पहला शैक्षणिक सत्र शुरू करने के लिए तैयार है। अघालयम आईआईटी-मद्रास में 'जेंडर एडवांसमेंट फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंस्टिट्यूशंस' कार्यक्रम के लिए नोडल अधिकारी रही हैं। अघालयम (49) ने पिछले कुछ महीनों में भारत से जंजीबार की यात्राएं की हैं और वह चीजों को गति देने में व्यस्त हैं।

1990 के दशक में 10:1 का था अनुपात

भारत में इंजीनियरिंग कॉलेजों ने 1990 के दशक के बाद से एक लंबा सफर तय किया है जब लड़कों और लड़कियों के दाखिले का अनुपात 10:1 था। 2000 के दशक की शुरुआत में यह अनुपात घटकर 7:1 हो गया और 2000 के दशक के मध्य और अंत में 4:1 हो गया। 2014 में इसमें और गिरावट आई जब अधिकतर आईआईटी परिसरों में लड़कियों की संख्या 5 प्रतिशत से 12 प्रतिशत के बीच थी।

कौन हैं अघालयम

- आईआईटी मद्रास के जंजीबार परिसर की प्रभारी निदेशक
- आईआईटी मद्रास में केमीकल इंजीनियरिंग की प्रोफेसर
- 1995 में आईआईटी-मद्रास से केमिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक
- 2000 में मैसाचुसेट्स एमहर्स्ट विश्वविद्यालय से पीएचडी पूरी
- एमआईटी, कैम्ब्रिज में पोस्टडॉक्टरल रिसर्चर व आईआईटी-बंबई में संकाय के रूप में किया काम
- 2010 में आईआईटी-मद्रास से जुड़ीं

छात्राओं के लिए अतिरिक्त कोटा

वर्ष 2018 में छात्राओं के लिए अतिरिक्त कोटा शुरू होने से एक साल पहले, भारत में आईआईटी ने 995 लड़कियों और 9,883 लड़कों को प्रवेश दिया। 2022-23 शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश के दौरान, 3310 लड़कियों, या कुल सीट संख्या का 20 प्रतिशत, ने 23 आईआईटी में दाखिला लिया। 2023-24 शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया अभी जारी है।

परिवार का हर सदस्य शिक्षाविद

अघालयम ने कहा, मैं शिक्षाविदों के परिवार से हूं। मेरी मां, मेरे पिता, मेरे विस्तृत परिवार से जुड़ा हर कोई शिक्षाविद है। इसलिए यही परिवार में चलता है। मैं कक्षा आठवीं के बाद से शिक्षाविद के रूप में करियर अपनाने के बारे में निश्चिंत थी और यह एक संतुष्टिदायक यात्रा रही है। आईआईटी-दिल्ली संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में एक कैंपस स्थापित कर रहा है। मिस्र, थाईलैंड, मलेशिया और ब्रिटेन में भी आईआईटी परिसर स्थापित करने की योजना है।

साइक्लोथोन: 300 से अधिक साइकिल चालकों ने लिया भाग

फिटनेस के लिए 'मरुधरा ऑन व्हील्स'

बेधड़क | जयपुर

जयपुराइट्स के लिए रविवार की सुबह साइकिल उत्सव लेकर आई। अल सुबह क्या युवा और क्या सीनियर सिटीजंस, सभी पैडल मारते हुए निकल पड़े फिटनेस का मैसेज देने।

जैसे-जैसे पैडल लगाते गए, वैसे-वैसे कारवां बढ़ता गया और सभी ने 10, 15 और 30 किलोमीटर की साइक्लोथोन से फिटनेस के मैसेज दिए। ये अनूठा कारवां था 200 फीट स्थित होटल प्राइम सफारी से शुरू होने वाली मरुधरा ऑन व्हील्स साइक्लोथोन का, जो मानसरोवर स्थित होटल हयात होकर लौटी।

गौरतलब है कि समाज को फिट रखने के साथ मरुधरा को स्वस्थ और प्रदूषण मुक्त करने के लिए सप्ताह में एक दिन सभी को नो व्हिकल डे मनाते हुए साइकिल का उपयोग करना चाहिए। ऐसे में देसी अखाड़ा और कल्पतरू शिक्षा समिति की ओर से साइक्लोथोन का आयोजन किया गया। समाजसेवी पवन गोयल ने बताया कि भागदौड़ भरी जिंदगी में साइकिल का उपयोग स्वस्थ जीवन के लिए करते हुए ओरों को भी जोड़ना चाहिए।

इन्होंने बढ़ाया उत्साह

ऐसे में सफारी गुप्र होटल से प्रमोद गोयल, डायरेक्टर राघव गोयल, मनाली गोयल, यस बैंक के अभिनव गुप्ता, एसजीएम आउटडोर के जेडी माहेश्वरी, योगेश मिश्रा, रॉयल राजस्थान रनर्स के पंकज जांगिड़ व देसी अखाड़ा के शुभम शुक्ला ने साइक्लोथोन को रवाना किया। समापन समारोह में मुख्य अथिति प्रहलाद कृष्णियां ट्रैफिक एसपी ने प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया।

300 साइक्लिस्ट हुए शामिल

संयोजक सुनील गौड़ ने बताया कि सुबह 5 बजे साइकिल रैली शुरू होकर वंदे मातरम रोड, मानसरोवर के होटल हयात रिजेंसी पर संपन्न हुई। जहां प्रतिभागियों को मेडल वितरित किए गए। कार्यक्रम में 12 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के कुल 300 साइक्लिस्ट ने भाग लिया। रैली के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें लाइव सिंगर, राजस्थानी डांस व पंजाबी ढोल पर कलाकारों ने समां बांध दिया।

RAS के लिए मॉक इंटरव्यू

बेधड़क, जयपुर। राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) की तैयारी कर रहे स्टूडेंट्स के लिए रविवार को गोपालपुरा मोड़ स्थित बी3 डिफेंस अकेडमी में मॉक इंटरव्यू रखा गया। सीनियर प्रोफेसर डॉ. आरडी गुर्जर ने बताया कि इसमें स्टूडेंट्स से इंटरव्यू बोर्ड ने सवाल किए साथ ही इस दौरान बरती जाने वाली सावधानियों और इसकी तैयारी के टिप्स भी दिए। इंटरव्यू बोर्ड में ज्योग्राफी डिपार्टमेंट के पूर्व एचओडी डॉक्टर आरडी डोई, सीनियर आईएएस डॉ. महेश चंद सैनी, सीनियर आरएएस बलवंत सिंह लिग्री, डॉ. जगदीश गुर्जर (बीडीओ), पुलिस अधीक्षक (सीआईएसएफ) सुगना राम, सीनियर प्रोफेसर डॉ. आरडी गुर्जर और प्रोफेसर कॉलेज शिक्षा डॉ. हेमराज गुर्जर शामिल थे।

135 शोध पत्र प्रस्तुत किए

बेधड़क, जयपुर। कम्प्यूटेशनल एप्लाइड साइंसेज एंड इट्स एप्लीकेशन्स (आईसीसीएएसए 2023) पर दूसरा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट द्वारा आयोजित किया गया। सम्मेलन में विभिन्न देशों के 175 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीयन कराया, जिसमें विभिन्न विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संकायों और विभिन्न उद्योगों के शोधकर्ता शामिल हुए। इस दौरान भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित के विभिन्न क्षेत्रों और उनके अनुप्रयोगों के लगभग 135 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम का उद्घाटन चांसलर यूईएम प्रो. डॉ. सत्यजीत चक्रवर्ती, वाइस-चांसलर प्रो. डॉ. बिस्वजॉय चटर्जी, रजिस्ट्रार प्रो. डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा, डीन प्रो. डॉ. अनिरुद्ध मुखर्जी, रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अनामिका खस्केल एवं गणित विभागाध्यक्ष प्रो. राहुल शर्मा की अध्यक्षता में किया गया। दो दिवसीय सम्मेलन में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पृष्ठभूमि के चौदह मुख्य वक्ताओं ने गणना और अनुप्रयुक्त विज्ञान के मुख्य क्षेत्रों पर अपने व्याख्यान दिए। आईसीसीएएसए 2023 में सभी गतिविधियों की सारांशित रिपोर्ट संयोजक प्रो. पल्लवी मलिक और डॉ. प्रियंका छपरवाल द्वारा प्रस्तुत की गई। सत्र का समापन प्रोफेसर पल्लवी मलिक के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

आयुर्वेद चिकित्सा पर संगोष्ठी

बेधड़क, जयपुर। राजस्थान आयुर्वेद विज्ञान परिषद के तत्वावधान में स्थानीय स्वामी लक्ष्मीराम बाग में आमवात रोग पर सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान की अध्येता डाक्टर तपस्विनी डालासिंह राय ने इस रोग के कारण, लक्षण और उपचार पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पंचकर्म चिकित्सा व आमपाचक व वातनिवारक द्रव्यों से गठिया रोग ठीक किया जा सकता है। कार्यक्रम के अध्यक्ष वैद्य गोपीनाथ पारीक ने सतत अनुसंधान करते रहने की आवश्यकता पर बल दिया। डॉक्टर सुरेशकुमार शर्मा ने मकोय, पुनर्नवा, रास्ना, सौंठ, हरसिंगार, पीपलामूल जैसी वनौषधियों को उपयोगी बताया। वैद्य भ्रमर शर्मा, डाक्टर मृणाल शर्मा, वैद्य अशोक शर्मा, वैद्य हरिनारायण स्वामी एवं वैद्य भंवरलाल शर्मा ने भी विचार व्यक्त किए। वैद्य बालकृष्ण गोस्वामी ने आगंतुक विशेषज्ञों के प्रति आभार प्रकट किया।

नेत्र शिविर में 203 लाभान्वित

बेधड़क, जयपुर। संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन दिल्ली द्वारा आज जयपुर के उदयपुरिया सीकर रोड जयपुर में 23वां निशुल्क नैत्र चिकित्सा एवं लैन्स प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया गया। कैलगिरी आई हॉस्पिटल से आई डॉक्टर प्रियंका श्रीवास्तव व उनकी टीम ने शिविर में कुल 203 रोगियों की नैत्र जांच की। 118 रोगियों को चश्मे के नम्बर प्रदान किए गए, 12 मरीजों को लैन्स प्रत्यारोपण के लिए भर्ती कर कैलगिरी आई हॉस्पिटल ले जाया गया। शिविर राजावास स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन पर प्रातः 9:00 से दोपहर 1:00 बजे तक आयोजित किया गया। शिविर का शुभारम्भ संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के सदस्य सतीश खुराना, संयोजक नाथूलाल निरंकारी एवं वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव द्वारा किया गया। संयोजक महात्मा नाथूलाल निरंकारी ने बताया कि शाखा उदयपुरिया जयपुर में यह 23वां निशुल्क नेत्र चिकित्सा कैंप आयोजित किया गया। इन कैंपों में अब तक 346 से ज्यादा मोतियाबिंद के सफल ऑपरेशन हो चुके हैं। इस अवसर पर निरंकारी सत्संग का आयोजन भी किया गया। सत्संग कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मेजर उम्मेद सिंह पूनिया ने बताया कि संत निरंकारी मिशन मानवता को समर्पित मिशन है जो मानव कल्याण कार्यों में लगातार अपना योगदान देता आ रहा है। ज्योति वासवानी ने डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव व उनकी टीम का आभार जताया।

City इवेंट्स

एक्सपर्ट्स ने दिए युवाओं को टिप्स

बेधड़क, जयपुर। मेडिकल एजुकेशन के प्रति स्टूडेंट्स में हमेशा से उत्सुकता रही है। कोरोना के बाद इस प्रोफेशन में वृद्धि हुई है। युवा भारत में एमबीबीएस के अलावा विदेशों की ओर बेहतर मेडिकल एजुकेशन के लिए रुख कर रहे हैं। जयपुर के युवाओं को मेडिकल एजुकेशन के प्रति अवेयरनेस और जिज्ञासाओं को शांत करने के लिए कजाख नेशनल मेडिकल यूनिवर्सिटी ने गोपालपुरा बाईपास स्थित होलीडे इन होटल में सेमिनार में टिप्स दिए। आयोजक दिनेश आसोपा ने बताया कि सेमिनार में विदेश में मेडिकल एजुकेशन के लिए प्रवेश और आवश्यकताओं को समझाया गया। डीन और वॉइस रेक्टर ने विदेश में चिकित्सा का ध्यान करने के लाभों पर चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान नूर्जमाल डीजे डीन कजाख नेशनल मेडिकल यूनिवर्सिटी, उबायदुल्लो डीएम वॉइस रेक्टर कजाख नेशनल मेडिकल यूनिवर्सिटी, पीएसपी एजुकेशन के डायरेक्टर संजय चौधरी और सीनियर मैनेजर मोहित पुरी ने टिप्स दिए। उपस्थित यंगेस्टर्स ने विविध स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों का अनुभव करने के लाभों, स्वास्थ्य और उपचारों के वैकल्पिक तरीकों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसके अलावा विदेश में अंग्रेजी में चिकित्सा अध्ययन करने के फायदों पर प्रकाश डाला गया।

'बावड़ती बेळां' पुस्तक का विमोचन

बेधड़क, जयपुर। 'आखर' में साहित्यकार कृष्ण कल्पित की पुस्तक 'बावड़ती बेळां' का विमोचन किया गया। राजस्व विभाग के अध्यक्ष वरिष्ठ आईएएस राजेश्वर सिंह, साहित्यकार कृष्ण कल्पित, कामना राजावत और प्रमोद शर्मा ने विमोचन किया। साथ ही कामना राजावत ने कृष्ण कल्पित के साथ संवाद किया। कल्पित ने कहा कि साहित्य लेखन में और विशेषकर कविता लेखन में छंद और बिना छंद की कविताओं के विवाद में न पड़कर कविता लेखन करना चाहिए। कविता गद्य और पद्य दोनों में हो सकती है। अंत में ग्रासरूट मीडिया फाउंडेशन के प्रमोद शर्मा ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन प्रदक्षिणा ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार लोकेश कुमार साहिल, वरिष्ठ पत्रकार गोपाल शर्मा, जनसंपर्क विभाग में संयुक्त निदेशक डॉ. राजेश कुमार व्यास, मुख्यमंत्री कार्यालय में विशेष अधिकारी फारुख आफरीदी, प्रोफेसर सत्यनारायण, पूर्व लोक सेवा आयोग सदस्य आरडी सैनी, ठाकुर दुर्गा सिंह मंडावा उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों ने परिवार सहित किए अभिषेक

बेधड़क, जयपुर। जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर के त्रि-दिवसीय स्थापना महोत्सव के दूसरे दिन पारिवारिक पूजन के कार्यक्रम में पाठशाला के विद्यार्थियों ने परिवार के साथ अभिषेक शांतिधारा मण्डल विधान पूजन में उत्साह व भक्ति के साथ भाग लिया। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि आर्यिका विशेष मति माताजी के सानिध्य में एक साथ चार पाण्डुशीला पर हुई शांतिधारा में से विधान मण्डल पर हुई शांतिधारा सुनील सेठी व छात्र आदित बिलाला ने तथा वेदी पर हुई शांतिधारा राकेश जैन व छात्र नीरैक शाह के साथ अनेक श्रावकों द्वारा की गई। मूल नायक नेमि नाथ के मण्डल विधान पर साज बाज के साथ श्रावक श्रेष्ठियों ने श्रीफल के साथ अष्ट द्रव्य लेकर बारी बारी से भक्ति करते हुए अर्घ्य चढ़ाए। संगीत मय विधान पूजन शिखर चंद किरण जैन ने कराई तथा आर्यिका ने आवश्यकता अनुसार विवेचन किया। आर्यिका माताजी ने अपने प्रवचन में कहा कि मंदिर में खाली हाथ आने से जीवन भी खाली ही रहता है। सेवक बनकर आने वाला ही पुण्यशाली जीव है। भिखारी बन कर आने वाला ख़ाली ही रहता है। लघुता से मनुष्य प्रभुता को प्राप्त होता है, जबकि प्रभुता प्रभु से दूर कर देती है। माताजी ने देव व गुरु उपासना भी समझायी। विधान समापन पर नेमिनाथ की आरती की गई। शाम को साज बाज के साथ भक्तामर दीप अर्चना हुई। सोमवार को महोत्सव के समापन दिवस पर शोभा यात्रा ध्वजा रोहण के साथ नेमि प्रभु की पूजन आदि के कार्यक्रम होंगे।

21 हजार पार्थिव शिवलिंग से विशेष अनुष्ठान

बेधड़क | जयपुर

सावन माह की चतुर्दशी को मैथिली महिला मंच ने 21 हजार पार्थिव (मिट्टी) के शिवलिंग बनाकर अनुष्ठान किया। प्रतापनगर के सेक्टर 14 स्थित शनि मंदिर में आयोजित इस अनुष्ठान में समाज की महिलाओं ने कवि विद्यापति के लिखे शिव आराधना के गीत गाते हुए करीब 3 घंटे में 21 हजार शिवलिंग बनाने का काम पूरा किया। इसके बाद शिव की विधिवत पूजा अर्चना की गई। मंच की अध्यक्ष बबीता झा ने बताया कि सावन माह में पार्थिव शिवलिंग पूजन से मनोकामना पूर्ण होती है। च की महासचिव आशा झा ने जानकारी देते हुए बताया कि मंदिर में 21 हजार पार्थिव शिवलिंग विधान का कार्यक्रम पंडित पशुपति नाथ के निर्देशन में किया गया।

मंच की उपाध्यक्ष पुष्पा मिश्रा के अनुसार मंच सचिव ममता झा ने पार्थिव शिवलिंग की पूजा का महत्व बताया।मंच की सदस्य अंजु ठाकुर ने बताया कि अनुष्ठान में भाग ले रही रेखा चौधरी, सुधीरा झा, रेणु सिंह, मधु झा, नीतू मिश्रा, संगीता चौधरी, तुलसी मिश्रा, गीता मिश्रा, निधि शेखर, रंभा सिंह एवं अन्य ने बताया कि पार्थिव शिवलिंग पवित्र नदी की मिट्टी से बनाया गया। इसकी पूजा से करोड़ों यज्ञों के बराबर पुण्य मिलता है।

गांधीवन में वन महोत्सव का आयोजन

पौधारोपण कर लिया हर वर्ष 44 पौधे लगाने का संकल्प

बेधड़क | जयपुर

ग्राम भारती समिति के पर्यावरण केन्द्र गांधीवन में वन महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बैंक ऑफ बडौदा, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर तथा अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम, जयपुर के कर्मचारियों अधिकारियों ने भाग लिया। अनन्या कॉर्पोरेशन, अहमदाबाद संस्थान का इस कार्यक्रम में महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस दौरान 100 पौधे लगाए गए तथा 5000 लगाने का लक्ष्य रखा गया। लगातार 30 वर्षों से गांधीवन नर्सरी में पौधे तैयार किए जा रहे हैं। ग्राम भारती समिति की सचिव कूसुम जैन बताया कि सुबह 11 बजे सभी गांधीवन में उपस्थित हुए। कार्यक्रम का शुभारम्भ गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया।

गांधीवन में लगाने के लिए बरगद, पीपल, नीम, गुडहल, कटहल जैसे विभिन्न प्रकार के पौधे लाए गए। आगन्तुकों ने पौधरोपण किया एवं हर एक ने प्रति वर्ष 44 पौधे का संकल्प लिया। संस्था कार्यालय सचिव रामचन्द्र सैनी ने बताया कि संस्था के पूर्व अध्यक्ष स्व. भवानी शंकर कुसुम के प्रयासों से गांधीवन में अब तक लाखों वृक्ष लगाए गए हैं। संस्था को इस अनूठे कार्य के लिए इंदिरा प्रियदर्शनी वृक्षमित्र पुरस्कार, फोर्ड इण्डिया कम्पनी पुरस्कार एवं जमनालाल बजाज पुरस्कार जैसे कई राष्ट्रीय-अन्तरराष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं। गांधीवन परियोजना संरक्षक धर्मेन्द्र जैन ने बताया कि वन महोत्सव में पूर्व पार्षद ललित पारीक, वित्तीय सलाहकार धीरज शर्मा, बैंक ऑफ बड़ौदा, त्रिपोलिया बाजार के मैनेजर अमित हाड़ा की टीम एवं अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम जयपुर के कमल जैन की टीम एवं स्थानीय ग्रामीणों का खास रूप से योगदान रहा।

जेकेके में टाइगर फोटो एग्जीबिशन 29 से लगेगी

जयपुर। देश में बाघों के प्रति अवेयरनेस के लिए जयपुर टाइगर फेस्टिवल (जेटीएफ) की ओर से इंटरनेशनल टाइगर डे पर जवाहर कला केंद्र में 29 जुलाई से 1 अगस्त तक टाइगर फोटोग्राफी एग्जिबिशन व प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। जेटीएफ के सचिव आशीष बैद ने बताया कि प्रदर्शनी में देश-विदेश से वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर बाघ के विभिन्न फोटोग्राफ प्रदर्शित करेंगे, जिसमें एंट्री की अंतिम तारीख 18 जुलाई है। सदस्य राज्य वन्यजीव बोर्ड राजस्थान व जेटीएफ संस्थापक-संरक्षक धीरेंद्र के गोधा ने बताया कि प्रदर्शनी में भारतीय वन सेवा अधिकारी, सुदर्शन शर्मा और रक्षा संस्था एनजीओ के फाउंडर रोहित गंगवाल द्वारा चयनित फोटोग्राफ प्रदर्शित किए जाएंगे। प्रदर्शनी में टाइगर जंगल में कैसे रहते हैं, कैसे शिकार करते हैं, कैसे अपने बच्चों को पालते हैं के साथ ही बाघों की विभिन्न अठखेलियां प्रस्तुत होंगी। संस्था के ट्रस्टी आनंद अग्रवाल ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए जूरी बनाई गई है। प्रतियोगिता के प्रथम विजेता को 51000, सेकंड को 31000 व तृतीय को 21000 का नगद पुरस्कार दिया जाएगा।

नेशनल कॉन्फ्रेंस राजस्थान कार्डियोलॉजी समिट- 2023 में शामिल हुए विशेषज्ञ

बिना सर्जरी पता चलेगा फेफड़ों में कितना पानी

बेधड़क | जयपुर

अब बिना इंटरवेंशन प्रोसीजर या सर्जरी के मालूम किया जा सकता है कि हार्ट फेलियर के कारण फेफड़ों में बार-बार भरने वाले पानी की मात्रा कितनी है।

यह विचार विशेषज्ञों ने युवाओं को दिए तो जिज्ञासा शांत हुई। मौका था राजस्थान कॉर्डियोलॉजी फाउंडेशन की ओर से आयोजित नेशनल कॉन्फ्रेंस राजस्थान कार्डियोलॉजी समिट का।

आयोजक डॉ. संजीब रॉय ने बताया कि राजस्थान के यंग कार्डियोलॉजिस्ट को नेशनल प्लेटफॉर्म देने के लिए फाउंडेशन का गठन किया गया है। इसमें उन्हें देशभर के सीनियर नई तकनीकों के बारे में जानकारी देंगे। कॉन्फ्रेंस में देशभर से 400 से अधिक एक्सपर्ट्स ने भाग लिया।

रडार तकनीक से हुआ संभव

डॉ. पुष्पेंद्र गर्ग ने बताया कि नई तकनीक से हार्ट फेलियर के कारण फेफड़ों में बार-बार भरने वाले पानी का पता लगाया जा सकता है। इसके लिए छाती और पीठ की तरफ फ्लैप लगाए जाते हैं। रडार तकनीक की मदद से सिर्फ 45 सेकेंड में मशीन फेफड़ों में पानी की मात्रा बता देती है। इससे पहले के वजन बढ़ने, सांस लेने में दिक्कत, सांस फूलने या थकान होने पर ही डॉक्टर फ्लूड के बारे में मालूम कर पाते थे।

हार्ट की रिकवरी में सबसे छोटा कृत्रिम यंत्र

डॉ. सीबी मीणा ने बताया कि हार्ट की रिकवरी के लिए उपयोगी यह दुनिया का सबसे छोटा कृत्रिम पंप है, जिसे बिना सर्जरी के पैर की धमनी से हार्ट में लगाया जाता है। इससे ढाई से साढ़े चार लीटर प्रति मिनट की रफ्तार से ब्लड पंप कर सकता है। इंपेला पंप हार्ट को सपोर्ट करता है और इससे उनकी एंजियोप्लास्टी हो सकती है, जिनका हार्ट पूरी तरह पंपिंग नहीं कर रहा हो।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क

जयपुर, सोमवार, 17 जुलाई, 2023

10

संघर्ष करना, परेशानियों से लड़ते रहना, धैर्य रखना और खुद में सुधार करना ही एकमात्र उपाय है।

विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

दक्षिण कोरिया में भारी बारिश: बाढ़ और भूस्खलन ने मचाई तबाही...

सुरंग से निकाले नौ शव, 11 लापता

एजेंसी | सियोल

दक्षिण कोरिया में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन से भारी तबाही मची है। बचावकर्मियों ने बाढ़ के पानी से भरी सुरंग से नौ शव निकाले हैं, जबकि 11 अभी भी लापता हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि बारिश के कारण हुए हादसों में अब तक 33 लोगों की जान गई है और हजारों लोगों को अपने घर-बार छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा है।

शहर के अग्निशमन विभाग के प्रमुख सेओ जेयोंग-इल ने बताया कि गोताखोरों सहित लगभग 400 बचावकर्मी चेओंगजू शहर स्थित सुरंग में बचाव अभियान चला रहे हैं। इस सुरंग में शनिवार शाम अचानक आई बाढ़ में बस और कई वाहन फंस गए थे। सोशल मीडिया पर साझा घटनास्थल के

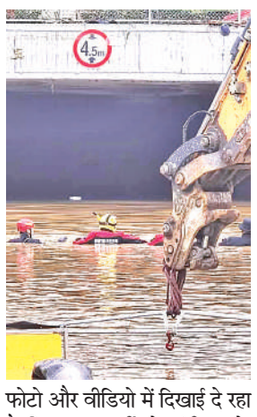

फोटो और वीडियो में दिखाई दे रहा है कि बचावकर्मी घेराबंदी करके सुरंग से पानी निकाल रहे हैं और गोताखोर रबर की नावों के जरिए सुरंग के अंदर-बाहर आ-जा रहे हैं। उत्तर चुंगचेओंग प्रांत के दमकल विभाग के अधिकारी यांग चान मो ने बताया कि सुरंग से पूरा पानी निकालने में कई घंटे लग जाएंगे।

बचावकर्मी संभल-संभल कर बढ़ रहे आगे

सियो ने बताया, "सुरंग में चार से पांच मीटर की ऊंचाई तक पानी, मिट्टी और मलबा भरा है। बचावकर्मी संभल-संभलकर आगे बढ़ रहे हैं, ताकि पानी में फंसा कोई व्यक्ति बह न जाए।" सियो ने बताया कि सुरंग से नौ लोगों को बचाया गया है, जबकि 11 अन्य का फिलहाल पता नहीं लगाया जा सका है। उन्होंने कहा कि वाहनों में फंसे यात्रियों की सही संख्या के बारे में अभी सटीक जानकारी नहीं मिल सकी है।

राष्ट्रपति ने बुलाई आपात बैठक

राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार राष्ट्रपति यून सुक येओल ने यूक्रेन की यात्रा के बाद पोलैंड के लिए रवाना होने से पहले वर्षा जनित हादसों और बाढ़ तथा भूस्खलन से पहुंचे नुकसान की जानकारी लेने के लिए शनिवार को एक आपात बैठक बुलाई। राष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि यून ने अधिकारियों से आपदा से निपटने के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल करने को कहा है।

चीन: निर्यात में भारी गिरावट, मुद्रास्फीति ऊपर

संकट में अर्थव्यवस्था!

एजेंसी | बीजिंग

कोविड महामारी के बाद से चीन की अर्थव्यवस्था लड़खड़ाई हुई है। अब तक के संकेत निराशाजनक रहे हैं। वहां विनिर्माण गतिविधियां सिकुड़ रही हैं, मुद्रास्फीति मंडरा रही है, निर्यात मांग में भी भारी गिरावट दर्ज की जा रही है। हाल ही में चीनी नागरिकों की छुट्टियों का खर्च भी कम रिकॉर्ड किया गया है।

इस बीच सोमवार को आनेवाली दूसरी तिमाही की रिपोर्ट में अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेत और उसके तेजी से आगे बढ़ने की रिपोर्ट आने की संभावना है। हालांकि, 2023 की पहली तिमाही की तुलना में यह संभवतः केवल 0.8% बढ़ी है। चीनी जीडीपी पर सोमवार को आने वाली रिपोर्ट में औद्योगिक उत्पादन, खुदरा बिक्री और निश्चित निवेश के मासिक आंकड़ों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन में जून में उल्लेखनीय मंदी देखने को मिली है। विशेष रूप से खुदरा बिक्री मई में 12.7% से घटकर 3.3% होने की संभावना है।

जीडीपी में 7.1% वृद्धि की संभावना

ब्लूमबर्ग द्वारा किए गए सर्वेक्षण के अर्थशास्त्रियों के अनुसार साल-दर-साल आधार पर तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में 7.1% की वृद्धि होने की संभावना है, जो पिछली अवधि में 4.5% थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले साल जब शंघाई कोविड-संबंधी लॉकडाउन का सामना कर रहा था, तब की तुलना करने पर, सोमवार का सकल घरेलू उत्पाद डेटा वास्तव में स्थिति से काफी बेहतर दिखाई देगा।

बाद के आंकड़ों पर नजर

चीन की रिकवरी की पूरी तस्वीर पाने के लिए अर्थशास्त्री बाद के आंकड़ों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इस बीच, अटकलें तेज हो गई हैं कि पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना जून में ब्याज दर में आश्चर्यजनक कटौती के बाद अब और अधिक प्रोत्साहन दे सकता है। अधिकारियों ने शुक्रवार को संकेत दिया कि कार्ड पर अधिक समर्थन हो सकता है। हालांकि, इसका दायरा सीमित होने और संपत्ति बाजार और निजी व्यवसायों जैसे विशिष्ट क्षेत्रों पर लक्षित होने की संभावना है।

ब्रिटेन के शाही परिवार में बढ़ी दूरियां... सामने आया विवाद

प्रिंस ने पिता किंग चार्ल्स से मांगा किराया

एजेंसी | लंदन

ब्रिटेन के शाही घराने में पारिवारिक विवाद बढ़ता नजर आ रहा है। अब किंग चार्ल्स और प्रिंस विलियम के बीच दूरियां बढ़ती दिख रही हैं। प्रिंस विलियम ने पिता किंग चार्ल्स से वेल्स के हॉलिडे होम में रहने का किराया भी मांग लिया है। बता दें कि गर्मियों के महीने में ब्रिटेन की महारानी भी वेल्स के इस आलीशान में महल में कुछ हफ्ते रहा करती थीं।

साल 2007 में किंग चार्ल्स ने ही यह प्रॉपर्टी खरीदी थी। हालांकि अब इसकी देखरेख का जिम्मा प्रिंस ऑफ वेल्स विलयम के पास है। प्रिंस विलयम ने कहा है कि ग्रामीण इलाके में स्थित इस महल में रहने के लिए किंग चार्ल्स को भुगतान करना होगा। अगर ऐसा नहीं किया तो उनका सामान बाहर कर दिया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि किंग चार्ल्स प्रिंस विलियम की इस जुर्रत से नाराज थे, लेकिन फिर उन्हें मानना पड़ा। अब जब तक किंग चार्ल्स वहां रहेंगे उन्हें इसका किराया देना होगा। उनके जाने के बाद इसे किराए पर किसी और को दे दिया जाएगा। बता दें कि किंग चार्ल्स को यह जगह बहुत पसंद है। उन्होंने कहा था कि देर में ही सही, लेकिन वेल्स में इतनी सुंदर जगह पाना स्वर्ग पाने की तरह है। जंगल, तट, किला, गांव और सामान्य से बाजार के बीच यह जगह बेहद खूबसूरत है।

हमारे पास क्लस्टर बम का भंडार: पुतिन

कीव। रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने रविवार को कहा कि रूस के पास क्लस्टर बम का "पर्याप्त भंडार" है और चेतावनी दी कि यदि यूक्रेन ने विवादास्पद हथियार का इस्तेमाल किया तो उसके पास भी "जवाबी कार्रवाई करने का अधिकार" है। अमेरिका से यूक्रेन को क्लस्टर बम की आपूर्ति पर अपनी पहली टिप्पणी में, पुतिन ने रविवार को एक साक्षात्कार में कहा कि रूस ने यूक्रेन में अपने युद्ध में अब तक क्लस्टर बम का इस्तेमाल नहीं किया है।

पाकिस्तान: प्रशासन ने रातों-रात की कार्रवाई

150 साल पुराना मंदिर गिराया

एजेंसी | कराची

पाकिस्तान के सिंध प्रांत की राजधानी कराची में करीब 150 साल पुराने एक हिंदू मंदिर को पुराना और खतरनाक ढांचा बताते हुए ध्वस्त कर दिया गया।

मंदिर ध्वस्त किए जाने के बाद इलाके में रहने वाले हिंदू समुदाय के लोग दहशत में हैं। कराची के सोल्जर बाजार में स्थित मारी माता मंदिर को शुक्रवार देर रात भारी पुलिस बल की मौजूदगी में बुलडोजर की मदद से ढहा दिया गया। क्षेत्र

में हिंदू मंदिरों की देखभाल करने वाले रामनाथ मिश्रा महाराज ने कहा, "अधिकारियों ने देर रात मंदिर को गिरा दिया और हमें इसकी कोई जानकारी नहीं थी कि ऐसा होने वाला है।" मिश्रा ने कहा कि अधिकारियों ने मंदिर के बाहरी दीवारों और मुख्य द्वार को बरकरार रखा, लेकिन उन्होंने अंदर की पूरी संरचना को ध्वस्त कर दिया। मंदिर करीब 150 साल पहले बनाया गया था और कहा जाता था कि मंदिर के प्रांगण में खजाना दबा हुआ था। उन्होंने कहा कि मंदिर 400 से 500 वर्ग गज क्षेत्र में बना था और वर्षों से मंदिर की भूमि को हड़पने का प्रयास किया जा रहा था।

अंतरिक्ष यात्री ने किया खुलासा

स्पेस में कैसे काटे जाते हैं बाल व दाढ़ी!

एजेंसी | वॉशिंगटन

यूएई के अंतरिक्ष यात्री सुल्तान अलनेयादी को अंतरिक्ष में गए लगभग चार महीने हो गए हैं। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से यूएई के लोगों ने जब उनके अंतरिक्ष में रहने से जुड़े एक्सपीरिएयंस पूछे, तब उन्होंने बताया कि अंतरिक्ष में वे कैसे रह रहे हैं।

इससे जुड़ा एक वीडियो उन्होंने जारी किया है, जिसमें वह अंतरिक्ष में बालों और दाढ़ी को काटने की जानकारी दे रहे हैं। 42 वर्षीय अलनेयादी के ट्विटर अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया गया। इसमें वह बताते हैं कि सभी अंतरिक्ष यात्रियों के पास एक पर्सनल हाइजीन किट होता है।

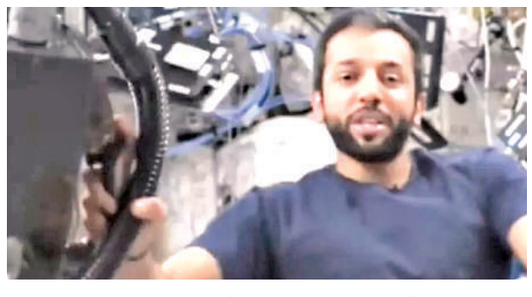

सक्शन डिवाइस लगे ट्रिमर का उपयोग

इसके साथ ही अलनेयादी ने ट्विटर पर लिखा, 'हम अपने बालों को खुद ही काटते हैं या फिर साथी अंतरिक्ष यात्री मदद करते हैं।' छह मिनट के वीडियो में वह अपने बाल और दाढ़ी को एक सक्शन डिवाइस लगे ट्रिमर से काट कर दिखाते हैं। आईएसएस में गुरुत्वाकर्षण लगभग न के बराबर है। इसी कारण यहां अंतरिक्ष यात्री समेत सभी चीजें स्थिर हवा में झूलती रहती हैं। सक्शन बालों को खींच लेता है, अन्यथा बाल यंत्रों में फंस सकते हैं या अन्य यात्रियों की आंखों में घुस सकते हैं।

अंतरिक्ष में कैसे धुलते हैं बाल

अंतरिक्ष में बाल धोने का तरीका अलग है। अंतरिक्ष यात्री इसके लिए धरती के शैंपू का इस्तेमाल नहीं करते। इसके लिए वह बेहद हल्के पानी का इस्तेमाल करते हैं। पैकेट से पानी निकलने के दौरान उन्हें तुरंत उसे पकड़ना होता है। फिर वह तौलिए से अपना सिर पोंछते हैं। एयर कंडीशनर तौलिया और बाल दोनों को सुखा देता है। बता दें अंतरिक्ष में बालों के बढ़ने से जुड़े वैज्ञानिक प्रयोग भी किए गए हैं।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: मनोज माथुर*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl